दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...
www.navpradesh.com | रायपुर, सोमवार 27 अप्रैल 2020, वैशाख शुक्ल पक्ष-चतुर्थी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-76 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

नवप्रदेश की खबर का असर : सांसद छाया वर्मा ने नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों की वापसी के लिए एचआरडी मिनिस्टर को लिखा पत्र

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूसरे राज्यों में फंसे नवोदय विद्यालय के नाबालिग छात्रों की वापसी को लेकर नवप्रदेश के प्रिंट व डिजिटल एडिशन में प्रकाशित खबरों को राज्यसभा सांसद छाया वर्मा ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने इन छात्रों की छत्तीसगढ़ वापसी व छत्तीसगढ़ के नवोदय विद्यालय में फंसे अन्य राज्यों के छात्रों को उनके राज्यों में भेजने की व्यवस्था करने का आग्रह करते हुए केंद्रीय मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने ***नवप्रदेश के डिजिटल एडिशन में 26 अप्रैल को 'कोटा वाले आ रहे, पर 4 अन्य राज्यों में भी फंसे छग के 130 बच्चे, लिस्ट' शीर्षक से प्रकाशित खबर के आंकड़ों का हवाला दिया है।*** और केंद्रीय मंत्री से कहा है कि इन नाबालिग बच्चों का धैर्य जवाब दे रहा है। उन्होंने इनकी घर वापसी की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। श्रीमती वर्मा ने केंद्रीय मंत्री से इन नाबालिग बच्चों की घर वापसी के लिए संबंधित विभागों से अनुमति दिलवाने का आग्रह किया है। वहीं फंसे बच्चों के अभिभावक भी नवप्रदेश को इस पहल के लिए धन्यवाद दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ***नवप्रदेश ने 24 अप्रैल को अपने प्रिंट एडिशन में 'कोटा ही क्यों, अन्य राज्यों में पढ़ने गए नाबालिग छात्रों की कौन लेगा सुध'*** शीर्षक ■ शेष पृष्ठ 6 पर

■ **खबर में प्रकाशित सूची का हवाला देकर कहा- नाबालिग बच्चों का धैर्य दे रहा जवाब, संबंधित विभागों को दें अनुमति**

■ **अभिभावकों ने इस पहल के लिए नवप्रदेश को धन्यवाद कहा**

प्रदेश के 130 बच्चे फंसे हैं चार राज्यों में

छत्तीसगढ़ के नवोदय विद्यालयों के 130 बच्चे अब भी चार अन्य राज्यों के नवोदय स्कूलों में फंसे हुए हैं। इनमें कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, असम व पश्चिम बंगाल शामिल हैं। वहीं दूसरे राज्यों के भी 114 बच्चे भी छत्तीसगढ़ स्थित नवोदय विद्यालयों में फंसे हैं। खास बातचीत में नवप्रदेश को यह जानकारी नवोदय विद्यालय समिति के डिप्टी कमिश्नर पीएस सरदार ने दी। सरदार ने बताया कि केंद्र सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से इन बच्चों को उनके माता-पिता तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन राज्य सरकारों को भी चाहिए कि वे भी अपने स्तर पर प्रयास करें। ये वक्त क्षेत्राधिकार देखने का नहीं, जैसी भी व्यवस्था हो बच्चों को वापस लाने के बारे में सोचना चाहिए। कोटा से ज्यादा इन छात्रों की चिंता करना इसलिए ज्यादा जरूरी है क्योंकि ये विद्यार्थी नाबालिग हैं।

जानें, छग के किस जिले के नवोदय विद्यालय के कितने बच्चे कहां फंसे

जिला	फंसे बच्चों की संख्या	यहां फंसे
राजनांदगांव	24	प्रकाशम आंध्र प्रदेश
सूरजजपुर	12	असम
कोरिया	10	आंध्र प्रदेश
रायपुर	24	कर्नाटक
महासमुंद	23	कर्नाटक
कबीरधाम	25	पश्चिम बंगाल

दूसरे राज्यों के छग में फंसे इतने बच्चे

राज्य	फंसे बच्चों की संख्या	यहां फंसे
आंध्र प्रदेश	11	कोरिया
आंध्र प्रदेश	21	दुर्ग
कर्नाटक	24	महासमुंद
पश्चिम बंगाल	24	कबीरधाम
कर्नाटक	22	रायपुर
असम	12	सूरजपुर

बच्चों के अभिभावकों को आवेदन करना चाहिए। हम भी सतत् दबाव बनाए हुए हैं। हम चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ के अन्य राज्यों में जितने भी छात्र व मजदूर फंसे हैं वे सभी जल्द से जल्द प्रदेश लौट आए।

सुनील सोनी, सांसद, रायपुर

हम बच्चों को खुश रखने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। लेकिन मौजूदा परिस्थितियों व उनकी उम्र के लिहाज से वे माता-पिता के पास रहकर उन्हें आत्मिक खुशी मिल सकती है। इन बच्चों की वापसी के लिए नवप्रदेश अपनी लेखनी के माध्यम से अच्छे प्रयास कर रहा है। मैं सोमवार को फिर रायपुर कलेक्टर से मिलकर इन बच्चों की वापसी के लिए बात करूंगा। हमारे बच्चे कर्नाटक के शिमोगा में हैं। हमारा प्लान है कि हम हैदराबाद तक जाए और शिमोगा से बच्चे हैदराबाद तक आ जाएं। वहां हम एक्सचैंज कर लेंगे।

यूपी पाणी, प्राचार्य, नवोदय विद्यालय, माना कैंप रायपुर

आज सीएस मंडल भी लिख सकते हैं केंद्र को खत : सांसद वर्मा

मैंने छत्तीसगढ़ के नवोदय विद्यालयों के दूसरे राज्यों में फंसे बच्चों को वापस लाने व छत्तीसगढ़ के विद्यालयों में फंसे बच्चों को उनके राज्यों में भेजने के साथ देशभर के ऐसे बच्चों को उनके अभिभावकों तक पहुंचाने का आग्रह करते हुए केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय को पत्र लिखा है। मैंने छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव आरपी मंडल को इस पत्र से अवगत कराया है। मुख्य सचिव ने कहा है कि उनकी ओर से भी सोमवार को बच्चों की वापसी को लेकर केंद्र को पत्र लिखा जाएगा।

छाया वर्मा, राज्यसभा सांसद, छग

इस मामले में नवप्रदेश काबिले तारीफ काम कर रहा है। नवप्रदेश की प्रयासों अब दूसरे राज्यों में फंसे मेरे बच्चे के साथ ही छत्तीसगढ़ के अन्य बच्चों के जल्द घर आने की उम्मीद जगी है।

चेतन सिंह क्षत्रिय
कसडोल (कर्नाटक के नवोदय विद्यालय में फंसे एक छात्र के पिता)

इधर, सीएम भूपेश ने दूर की मायूसी

कोटा से छात्रों की घर वापसी

रायपुर/नव प्रदेश। राजस्थान के कोटा से छत्तीसगढ़ के छात्रों की रवानगी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर राजस्थान के कोटा में कोचिंग संस्थानों में छत्तीसगढ़ के अध्ययन छात्र-छात्राओं को वापस लाने के लिए भेजी गईं बसें कोटा से निकली चुकी हैं। कोटा में चिकित्सकों और अधिकारियों की टीम द्वारा इन बच्चों की स्क्रीनिंग कर इन्हें वापसी के लिए बसों में बिठाया गया है। छात्र-छात्राओं ने महामारी के इस संकट में छत्तीसगढ़ घर वापसी के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल और इस व्यवस्था में शामिल पुलिस, चिकित्सा, परिवहन विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ सभी बस चालक और परिचालकों का आभार व्यक्त किया है। छात्र-छात्रओं ने कहा है कि उनकी घर वापसी के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने जो व्यवस्था की है वह सराहनीय है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि छात्र-छात्राओं के लिए भोजन सहित आवश्यक व्यवस्थाओं का भी ध्यान रखें और छात्रों को रास्ते में किसी तरह की परेशानी न हो। राजस्थान के कोटा से छत्तीसगढ पहुंचने पर इन बच्चों को क्वारंटाइन में रखा जाएगा। उन्हें सीधे घर जाने की अनुमति नहीं होगी। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

घर वापसी के लिए छात्रों ने मुख्यमंत्री का व्यक्त किया आभार

अपनों को देख गूंजा 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' का नारा

इन छात्र-छात्राओं ने बसों के पहुंचने तथा चिकित्सा टीम और पुलिस के जवानों का 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' हर्ष ध्वनि कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा छत्तीसगढ़ के बच्चों की घर वापसी के लिए की गई पहल से छात्र-छात्राओं की मायूसी दूर हो गई है। भयंकर महामारी के इस संकट में दूर प्रदेश में अपने राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों को अपने बीच पाकर छात्रों के चहरों पर खुशी लौट आयी है। छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्राओं को लाने के लिए भेजी गई चिकित्सा टीम ने फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए बच्चों की चिकित्सीय जांच की और संभाग वार तय की गई बसों में उन्हें लाने के लिए बैठने की व्यवस्था की।

पीएम मोदी की मुख्यमंत्रियों से आज फिर चर्चा, सीएम भूपेश भी होंगे शामिल

लॉकडाउन खत्म होगा या फिर बढ़ेगा आज तय हो सकती है नई रणनीति

रायपुर/नई दिल्ली/ ए.। देश में 3 मई के बाद लॉकडाउन बढ़ेगा या खत्म हो जाएगा। इसे लेकर संशय और अटकलों का बाजार गर्म है। वहीं सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर से देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा करेंगे। जानकारों की मानें तो इस चर्चा में पीएम मोदी कुछ नए आदेश जारी कर सकते हैं, तो वहीं ऐसे राज्य जहां स्थिति नियंत्रण में हैं वहां कुछ और छूट देने की चर्चा कर सकते हैं। कहा जा सकता है कि बैठक में लॉकडाउन को लेकर नई रणनीति तय हो सकती है। प्रधानमंत्री के साथ चर्चा में प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी शामिल होंगे। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री बघेल बैठक में राज्य की वर्तमान परिस्थितियों ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सीएम बघेल देंगे प्रदेश की स्थिति का ब्योरा

छत्तीसगढ़ की स्थिति सबसे अच्छी

हालांकि राज्य में स्थापित सेंट्रल कमांड की डेली रिपोर्ट केन्द्र तक जाती है, फिर भी राज्य के मुखिया इस संबंध में ज्यादा सोच रहे हैं, राज्य की नब्ज टटोलने के लिए यह बैठक जरूरी है। जल्द ही छत्तीसगढ़ राज्य भी कोरोना मुक्त हो सकता है। अब सोमवार को प्रधानमंत्री बैठक में क्या नया आदेश जारी करेंगे अथवा कुछ और छूट का ऐलान करेंगे, इस पर सबकी निगाह टिकी हुई है।

आज बेबाक

कोरोना के खिलाफ जंग में भारत पूरी दुनिया में सबसे ताकतवर देश बनकर उभरा है। उम्मीद है कि भारत यह लड़ाई जीत जाएगा और बहुत जल्द कोरोना के कहर से मुक्त हो जाएगा। इसके लिए जरूरी यह है कि हम लॉकडाउन में मिली सशर्त छूट का नाजायज फायदा न उठाएं। लॉकडाउन हटने के बाद भी कुछ समय तक समाजिक दूरी बनाएं रखें। पारिवारिक, सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक कार्यक्रमों को स्थगित रखें। सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ न बढ़ाएं। खतरा कम हुआ है लेकिन टला नहीं है, इसलिए सतर्कता आवश्यक है। हम स्मरण रखें कि सावधानी हटीं तो दुर्घटना घटते देर नहीं लगेगी।

संघ के ऑनलाइन बौद्धिक वर्ग में बोले डॉ. भागवत

कोरोना से डरने की जरूरत नहीं ठंडे दिमाग से लेना होगा काम

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण और लॉकडाउन को लेकर कहा कि संघ का काम लॉकडाउन में भी चल रहा है। रोज के काम बंद हैं लेकिन दूसरे कामों ने उसकी जगह ली है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी नई है, कहर मचाया है लेकिन उससे डरने की जरूरत नहीं है। ठंडे दिमाग से योजना बनानी होगी कि क्या क्या करना है। भय से दूर होकर सुनियोजित प्रयास करना है। डॉ. भागवत सोमवार को संघ के ऑनलाइन बौद्धिक वर्ग को संबोधित ■ शेष पृष्ठ 6 पर

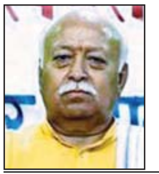

पालघर में संन्यासियों की हत्या पर हुआ दु:ख

संघ प्रमुख ने कहा कि महाराष्ट्र में संन्यासियों की हत्या हुई। उपद्रवी लोगों ने ये अपराध किया। उसका दुख सबके मन में हैं। धैर्य रखकर सारी बातें करनी चाहिए। 28 को उनको श्रद्धांजलि देने के लिए हम कुछ कार्यक्रम भी करेंगे।

समाज में दूरी बनाना ठीक नहीं

संघ प्रमुख ने कोरोना संक्रमण व दिल्ली में हुए कार्यक्रम को लेकर कथित सोच के संबंध में देशवासियों को सावधान किया। कहा कि देश की 130 करोड़ आबादी में सभी भारत माता की संतानें हैं और हमारे भाई-बंधु हैं। इसे ध्यान में रखा जाना चाहिए। दोनों तरफ से कोई डर या गुस्सा नहीं होना चाहिए। उन्होंने समाज के जिम्मेदार लोगों से अपील करते हुए कहा कि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

बिहार में वज्रपात से 12 की मौत

पटना (वार्ता)। बिहार में सारण, जमुई, भोजपुर और पूर्वी चंपारण जिले में आज वज्रपात में 12 लोगों की मौत हो गई। जबकि सात अन्य झुलस गये। छपरा से यहां प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, सारण जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के खलपुरा पंचायत के मकदूमगंज गांव में वज्रपात की घटना में नौ लोगों की मौत हो गयी तथा सात अन्य घायल हो गये। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश ने बताया कि मकदूमगंज गांव के कुछ लोग परवल के खेत में गये हुए थे। इसी दौरान तेज बारिश के साथ हुए वज्रपात में छह लोगों की मौत हो गयी जबकि दस अन्य घायल हो गये। घायलों को छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान तीन अन्य की भी मौत हो गयी।

कोरबा में दो ट्रेलर भिड़े एक चालक जिंदा जला

बांधाखार मोड़ के पास हुआ हादसा

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। पाली थाना अंतर्गत ग्राम बांधाखार के मोड़ के पास रविवार सुबह करीब 8. 30 बजे दो ट्रेलर में आमने-सामने की भिड़त हो गई। इस घटना में दोनों वाहनों में आग लग गई। एक वाहन के चालक की केबिन में ही जिंदा जलने से मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार साउथ इस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड यानी एसईसीएल दीपका से एक ट्रेलर क्र. सीजी 12 एयू 2595 कोयला लेकर पाली की ओर जा रही था। दूसरी ओर पाली से रायपुर पासिंग का खाली ट्रेलर क्र. सीजी 04 एफ बी 4577 दीपका की ओर आ रहा था। तभी ग्राम बांधाखार के पास मोड पर दोनों ट्रेलर आमने-सामने टकरा गए। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि टकराते ही दोनों वाहनों में आग लग गई। इससे वाहन चला रहे एक ट्रेलर के चालक संतोष दास 22 की ड्राइविंग सीट पर ही बुरी तरह जलने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 वाहन और पाली थाना पुलिस ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

विजन | मुख्यमंत्री ने की राम वन गमन पथ के लिए तैयार कॉन्सेप्ट प्लान की समीक्षा, कहा

पर्यटन के साथ स्थानीय लोगों को मिले रोजगार

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राम वन गमन पथ निर्माण और उन्नयन के कार्य में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने रविवार को यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में राम वन गमन पथ के निर्माण और उन्नयन के लिए तैयार किए गए कांसेप्ट प्लान की समीक्षा की। राम वन गमन पथ के चिह्नित 51 स्थानों में से प्रथम चरण में 9 स्थानों- सीतामढ़ी-हर चैका, रामगढ़, शिवरीनारायण तुरतुरिया, चंदखुरी, राजिम, सिहावा सप्त ऋषि आश्रम, जगदलपुर और रामाराम को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राम वन गमन पथ के स्थलों में व्यवसायिक दृष्टिकोण से पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाएं, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

व्यावसायिक दृष्टिकोण से पर्यटन को दिया जाए बढ़ावा

'सिरपुर को भी डीपीआर के अनुसार विकिसित करें'

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिरपुर छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, इसे तैयार किए गए डीपीआर के अनुसार विकसित किया जाए, संबंधित विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारी देकर कार्य कराया जाए। उन्होंने कहा कि सिरपुर को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन के एक अच्छे केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने पर्यटन विभाग की वेबसाइट में पर्यटन विभाग के होटल और मोटल के साथ स्थानीय निजी होटल की जानकारी प्रदर्शित करने और गाइड के कांटेक्ट नंबर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

कोरोना अपडेट

देश	कंफर्म केस	मौत
भारत	26917	826
अमेरिका	963747	54364
स्पेन	223759	22902
इटली	195351	26384
फ्रांस	161488	22614
ब्रिटेन	148377	20319
जर्मनी	156727	5880
ईरान	90481	5710
नीदरलैंड	37845	4475
टर्की	107773	2706
कनाडा	45354	2465
स्वीडन	18640	2194
स्वीट्जरलैंड	29061	1607
मैक्सिको	12872	1221
आयरलैंड	18561	1063

न्यूज गैलरी

आज शाम को जल प्रदाय प्रभावित

दुर्ग। 27 अप्रैल को शिवनाथ नदी स्थित इंटकवेल सब स्टेशन के एचटी लाईन का संधारण कार्य किया जाएगा। जिसके कारण कसारीडीह, केलाबाड़ी, दीपक नगर, शंकर नगर, रायपुर नाका, पांच बिल्डिंग, तितुरडीह, जवाहर नगर, शक्तिनगर और बड़ी सिविल लाइन क्षेत्र में द्वितीय पाली शाम के समय जलप्रदाय प्रभावित रहेगा। इन क्षेत्रों में मांग अनुसार टैंकर से पानी सप्लाई की जाएगी। इन सभी क्षेत्रों में सुबह के समय निर्धारित समय पर पानी की सप्लाई होगी। असुविधा हेतु खेद प्रकट की।

किफायती आवास का कार्य प्रारंभ

भिलाई। भागीदारी में किफायती आवास के तहत खमरिया एवं जुनवानी में कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यपालन अभियंता एसपी साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्य के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराया जा रहा है तथा मास्क एवं सैनिटाइजर की व्यवस्था भी की गई है। हाथ को अच्छी तरह धोने के बाद ही कार्य किया जा रहा है, इसके अतिरिक्त मजदूरों को प्रत्येक सप्ताह मानदेय एवं राशन सामग्री भी प्रदाय की गई है। इनके लिए सैनिटाइज टनल तैयार किया है। इसके अलावा कार्यरत मजदूरों की थर्मल स्क्रीनिंग भी सुरक्षागत कारणों से की जा रही है।

लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन पर 2009 से 4.31 लाख अर्थदंड

कलेक्टर ने लाकडाउन के नियमों का पालन करने की नागरिकों से की अपील

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कोरोना संक्रमण से रोकथाम को लेकर 3 मई तक जिले में लगाए गए लाकडाउन के अनुपालन के लिए आज प्रशासन ने नियमों का उल्लंघन कर रहे नागरिकों पर कड़ी कार्रवाई की। नगरीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं राजस्व विभाग द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने, सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा नहीं ढंकन, यातायात उल्लंघन के प्रकरणों में व्यापक कार्रवाई की गई। दोपहिया वाहनों में ड्राइवर सहित एक से अधिक व्यक्ति के अकारण घरों से बाहर घूमते पाये जाने पर कार्रवाई की गई। कलेक्टर अंकित आनंद ने नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थलों पर मास्क अथवा डबल लेयर कपड़े जैसे रूमाल, गमछा आदि से सर्वथा ढंककर रखें ताकि कोरोना के संक्रमण से बचाव किया जा सके।

इस तरह की गई कार्रवाई

चेहरा नहीं ढंकने पर 1497 लोगों पर अर्थदंड. चेहरा नहीं ढंकने के मामले में 1497 नागरिकों पर दो लाख 53 हजार चार सौ इक्यासी रुपए का अर्थदंड रोपित किया गया। इसमें दुर्ग में 392 लोगों को 74 हजार 31 रुपएए भिलाई में 863 नागरिकों पर एक लाख पैंतालीस हजार एक सौ रुपएए भिलाई चरौदा में 156 नागरिकों पर 16 हजार छह सौ पचास रुपएए रिसाली में 84 नागरिकों पर 17 हजार 3 सौ रुपये तथा जामुल में 2 नागरिकों पर 400 रुपयेए पाटन में 5 मामलों में हजार रुपये तथा उतई में 5 मामलों में अर्थदंड रोपित किया गया। जिन दुकानदारों ने मास्क नहीं लगाया था ऐसे 79 दुकानदारों पर 32 हजार आठ सौ पचास रुपए अर्थदंड रोपित किया गया। थूकने के मामले में भिलाई के एक नागरिक पर अर्थदंड रोपित किया गया। सोशल डिस्टेंसिंग नहीं की मेंटेन, 220 लोगों पर 1.09 लाख 850 पचास का जुर्माना. सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने पर भिलाई में 147 नागरिकों पर 90 हजार 250 रुपए का अर्थदंड लगाया गया। रिसाली में 39 मामले में 16 हजार 500 रुपयेए भिलाई चरौदा में 4 मामलों में तथा जामुल में 3 मामलों में कार्रवाई की गई। मोटर व्हीकल एक्ट में जिले में 212 मामलों में 34 हजार 950 रुपये का अर्थदंड लगाया। भिलाई में 209 मामलों में 29 हजार 550 रुपये, रिसाली में 5000 रुपये तथा जामुल में 2 मामलों में 400 रुपये अर्थदंड लगाया गया। छूट प्राप्त दुकानों में मास्क नहीं लगाने पर कार्रवाई.छूट प्राप्त दुकानों में 79 मामलों में 32 हजार आठ सौ रुपये का अर्थदंड रोपित किया गया। इनमें भिलाई में 60 रिसाली में 11 और भिलाई चरौदा में 8 मामलों में कार्रवाई की गई।

मनरेगा में लगे 4 लाख से अधिक मजदूर

जल संरक्षण एवं भूमि सुधार कार्यो पर फोकस

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। संभाग के सभी जिलों में मनरेगा के कार्य बड़े पैमाने पर किए जा रहे हैं। अभी दुर्ग संभाग के 2150 पंचायतों में मनरेगा के काम शुरू किए जा चुके हैं। शुरू किए गए कार्यों की संख्या 9367 है। इनमें 411711 मजदूर कार्यरत हैं। सबसे ज्यादा मजदूर राजनांदगांव जिले में लगे हुए हैं। यहां एक लाख 55 हजार 965 मजदूर कार्य कर रहे हैं। कबीरधाम में लगभग 80127 मजदूर काम कर रहे हैं। बेमेतरा में 68421 मजदूर काम कर रहे हैं। बालोद में 60028 मजदूर काम कर रहे हैं। दुर्ग जिले में 45173 मजदूर काम कर रहे हैं। विकास उपायुक्त श्री आर के खूंटे ने बताया कि सभी जिलों में बड़े पैमाने पर मनरेगा के कार्य शुरू किए गए हैं। मनरेगा के कार्यों के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। हाथ धोने के पश्चात तथा मास्क लगाने के पश्चात मजदूर अपना काम शुरू कर रहे हैं। श्री खूंटे ने बताया कि मनरेगा के माध्यम से जल संरक्षण और भूमि सुधार जैसे कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में नरवा गरवा घुरवा बाड़ी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की भी लगातार समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में मनरेगा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। संभागायुक्त श्री जी आज चुरेंद्र इन कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने कलेक्टरों को इस बात के लिए निर्देशित किया है कि वह बड़े पैमाने पर उपयोगी कार्य मनरेगा के माध्यम से चिन्हांकित करें यहां काम आरंभ कराएं और अधिकाधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराएं। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखें। मजदूर मास्क पहने हुए होए साथ ही उन्हें साबुन से हाथ धुलाकर काम आरंभ कराया जाएए यह सब हिदायत दी गई है इसके साथ ही कोरोना संक्रमण के संबंध में भी उपयोगी जानकारी सभी को उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया है। मनरेगा के माध्यम से नाला गहरीकरण जैसे कार्य भी कराए जा रहे हैं इससे भूमिगत जल के रिचार्ज की संभावना बढ़ेगी।

स्वयं कमान संभाल किया सघन निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। कोरोना वायरस के चलते देश भर में जारी लॉकडाउन 2 के मददेनजर निगम क्षेत्र के नागरिकों एवं व्यापारियों में शासन के गाइड लाइन का पालन कराने निगम की उड़नदस्ता टीम की मॉनिटरिंग निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने आज स्वयं कमान संभालकर निगम क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया। जिला दंडाधिकारी के आदेश पर आयुक्त द्वारा प्रतिदिन सुबह शाम जोन आयुक्त रमाकांत साहू के साथ निगम क्षेत्र के चौक.चौराहों, हॉट बाजारों, व्यापारिक संस्थानों का सघन निरीक्षण कर रहे हैं। कुछ नागरिकों एवं अनाधिकृत दुकानदारों से शासन के नियम निर्देशों का पालन करवाना जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के साथ.साथ निगम की नैतिक एवं महती जिम्मेदारी बन गई है। निगम प्रशासन पूरी जवाबदारी के साथ लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु मॉस्क लगाने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने प्रेरित भी कर रहे हैं एवं उनको सामाजिक कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु आग्रह भी कर रहे हैं। हालांकि निगम की उड़नदस्ता टीम द्वारा कोरोना प्रसार रोकथाम के लिए जारी नियम निर्देशों का पालन नहीं करने वालों पर सख्ती भी बरतनी पड़ रही है एवं अर्थदंड से भी अधिरोपित भी कर रहे हैं। आज आयुक्त द्वारा अपने मातहत अधिकारियों के साथ पुनः निगम क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया है। इस दौरान वे उड़नदस्ता टीम को आवश्यक दिशा निर्देश भी दे रहे थे। उड़नदस्ता टीम द्वारा रूआबांधा पंथी चौक पर सब्जी संचालन कर रहे व्यापारी से दांडिक शुल्क नहीं देने पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने पर हटाया। डीपीएस चौक रिसाली गेट नंबर.2 पर अनाधिकृत रूप से खुली दुकान को हटाया। मैत्रीगार्डन चौक टंकी मरोदा में मॉस्क नहीं पहनने वालों से दांडिक शुल्क वसूला गया। वार्ड 41 डुंडेरा में मांस बिक्री विकेता द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं कराने पर 1 हजार, स्टेशन मरोदा में खुले में मांस बिक्री करने वाले से निगम के कार्यपालन अधिकारी आरके साहू के नेतृत्व में 1 हजार, स्टेशन मरोदा में बिना मॉस्क एवं डबल सवारी वाले वाहन चालकों से पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में चालानी कार्रवाई की गई।

21 कर्मियों का लिया रेंडम सैंपल

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। प्रदेश शासन के आदेश पर जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग दुर्ग द्वारा कोविड.19 कोरोना वायरस के नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए लड़ाई लड़ रहे 21 स्वच्छता कर्मियों का रेंडम सैम्पल लिया। वायरस रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु पूरे प्रदेश में शासन के आदेश पर पुलिस, पत्रकार, मेडिकल स्टॉफ एवं नगरीय निकाय के आवश्यक सेवाओं में लगे कर्मचारियों द्वारा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष तौर पर सार्वजनिक स्थलों पर जाकर आम नागरिकों के सहयोग के लिए कार्यरत हैं। इसी के मददेनजर प्रदेश शासन के आदेश पर जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग दुर्ग के डॉ. बलविंदर यादव ने निगम कार्यालय पहुंचकर 21 स्वच्छता कर्मियों का रेंडम सैम्पल लिया। इस दौरान निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, जोन आयुक्त रमाकांत साहू, प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी शैलेश साहू, सहायक राजस्व अधिकारी हरचरण सिंह अरोरा, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी जगन्नाथ कुशवाहा, स्वच्छता निरीक्षक बृजेन्द्र परिहार आदि उपस्थित थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने जरुरतमंदो तक पहुंचाई राशन सामाग्री

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। आल इंडिया बैंक ऑफ बड़ौदा ऑफिसर एसोसिएशन दुर्ग (इंटुक एवं इनबॉक से सम्बंधित) के सदस्यों ने अपना सामाजिक दायित्व निभाते हुए जरूरत मंदो को राशन सामग्री जैसे चावल, दाल, आलू, प्याज, सोयाबड़ी, मसाले इत्यादि वितरित किए।

एसोसिएशन के क्षेत्रीय सचिव कैलाश वैष्णव ने जानकारी दी कि जैसा कि सभी को ज्ञात है कि इस संकट की घड़ी में जहां बैंकर्स कोराना संकट में वारियर्स बन कर जन धन एवम् किसान खातों में सरकार द्वारा डाले गए पैसे वितरण कर रहे है । परन्तु लॉक डाउन के कारण दैनिक दिहाड़ी मजदूरों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है और मानवता के नाते एक दूसरे की मदद करना हमारा सामाजिक दायित्व है। एआईबीओबीओ देश में प्रेम मक्कड़ (महासचिव) एवम् आर के चट्टर्जी (अध्यक्ष) एवम् भोपाल अंचल सचिव वीएस नेगी के सानिध्य में कार्य कर रहा है एवं इस कठिन समय में सदस्यों ने कल राशन वितरण का कार्य शीतला मंदिर पद्मनाभपुर, स्टेशन रोड एवम् रेलवे स्टेशन दुर्ग में फंसे हुए लोगों के लिए किया। श्री वैष्णव ने यह भी जानकारी दी कि एसोसिएशन के सदस्यों ने कोरोना वारियर्स दैनिक सफाई कर्मी, पुलिस प्रशासन इत्यादि को भी नाश्ता एवम् गर्मी में शीतलता प्रदान करने शीतल पेय वितरित किए।

इस अवसर पर एसोसिएशन के क्षेत्रीय सदस्य रजनीश कुणाल, विश्वास मैसी, प्रवीण साहू, प्रशांत, स्मिता, राधेश्याम, सौरभ, माविंद और अंचल कमिटी सदस्य रमेश नायडू, महेंद्र देवांगन, अरविंद वर्मा मौजूद थे। इस अवसर पर निगम अधिकारी एवं कर्मचारियो सदस्यों की मदद भी एसोसिएशन के सदस्यों को प्राप्त हुई।

नहर में कचरा जाम होने से तालाबों में नहीं पहुंचा पानी

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। गर्मी बढ़ने से तालाबों का जलस्तर लगातार कम हो रहा हैए वहीं जल संसाधन विभाग और नगर निगम के अफसरों की लापरवाही थमने का नाम नहीं ले रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तालाबों को भरने बांध से पानी छोड़ने से पहले नहरों की सफाई और टूट.फूट की मरम्मत करने के निर्देश दिए थे। यह काम हर बार की तरह इस बार भी लापरवाही से किया गया। नतीजाए अभी तक शहर के तालाबों तक पानी नहीं पहुंच पाया है। पिछले एक माह से लगातार गर्मी के कारण दुर्ग शहर के 24 तालाबों का जलस्तर काफी कम हो गया है। तालाबों में निस्तारी करने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तालाबों को भरने के लिए तांदुला जलाशय से पानी छोड़ा जा चुका हैए लेकिन नहरों की सफाई न होने से अभी तक पानी प्रवेश नहीं कर पाया है।

लॉकडाउन में 7104 बिजली शिकायतों का निदान

उपभोक्ता सेवा संस्थान उपभोक्ताओं की सेवा के लिए समर्पित है : ईडी

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव और सुरक्षा कार्य में लगे हुए बिजली कर्मचारी बिजली व्यवस्था को भी चाक.चैबंद बनाने में जुटे हुए हैं। कोरोना संक्रमण के खौफसे जहां आमजन घर में सहमे हुए हैं, वहीं बिजली अमला के कर्मवीर हमेशा की भांति विद्युत उत्पादन वितरण और पारेषण कार्य में बेखौफ जुटे हुए हैं। लॉक डाउन और कर्फ्यू के बीच अब तक दुर्ग.भिलाई शहर में लगभग 7104 बिजली शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। बिजली व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेषक संजय पटेल सतत मानीटरिंग कर रहे हैं। साथ ही बड़ी संख्या में विद्युत कर्मी वितरण कार्य की कमान संभाले हुए हैं। लॉकडाउन में मिली आंषिक छूट के बाद कार्यालयों का संचालन 21 अप्रैल 2020 से षुरु हो गया है। राज्य शासन के दिशा निर्देशानुसार बिजली बिलिंग और मीटर रीडिंग के कार्य भी षुरु कर दिए गए है। कोरोना वायरस द्वारा उत्पन्न संकट और आपातकाल स्थिति में दुर्ग.भिलाई षहर की विद्युत आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखनेए बिजली गड़बड़ी में सुधार कार्य को युद्ध स्तर पर निपटाने के लिए अधीक्षण अभियंता षहर वृत्त एसआर बांधे, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, कनिश्ठ अभियंता एवं लाइन स्टाफकी टीम ने कमर कस रखी है। लॉक डॉउन, कर्फ्यू की स्थिति में भी फ्यूज कॉल सेंटर हर दिन 24 घंटे चालू है। कार्यपालक निदेषक पटेल ने कहा कि विद्युत विभाग उपभोक्ता सेवा संस्थान है और उपभोक्ताओं को सर्वोत्तम सेवा प्रदान करने के लिए सदा ही समर्पित है। उन्होंने आमजनों से अपील करते हुए कहा है कि विद्युत कर्मियों तथा अन्य जनसेवकों को आम जन सहयोग प्रदान करें, ताकि संकट की घड़ी में सुरक्षित तरीके से बेहतर सेवा देने में वे कामयाब हो सकें।

संत रमण मुनि ने गन्ने का रस पीकर खोला उपवास

भिलाई। सन 1984 से संयमी जीवन प्रारंभ करते हुए दीक्षा लेने के तुरंत बाद से विगत 36 वर्षों से उपवास तप की नियमित एकांतर उपवास तप की आराधना करने वाले संत रमण मुनि महाराज आज गुरुदेव रतन मुनि महाराज के आशीर्वाद एवं उनके सानिध्य में अक्षय तृतीया के पावन प्रसंग पर गन्ने रस की भिक्षा के साथ आज अपना उपवास तोड़ा है वह कल से पुनः इस उपवास तक की आराधना प्रारंभ करेंगे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.)

anagarpalika3@gmail.com

क्रमांक/96/लो.नि.वि./न.पा./2020-21 आरंग दिनांक 25/04/2020

-: रुचि की अभिव्यक्ति :-

निकाय में सरोवर धरोहर योजनांतर्गत विभिन्न तालाबों का गहरीकरण कार्य ग्रीष्म ऋतु में कराया जाना है। उक्त कार्य हेतु सक्षम ठेकेदारों अथवा वाहन स्वामियों द्वारा कंस्ट्रक्शन एस्केवेटर (Tata hitachi Zaxis 220 LCM के समकक्ष क्षमता,) एस्केवेटर (जेसीबी इत्यादि), टीपर ट्रक क्षमता 16 क्युबिक मीटर एवं ट्रैक्टर इंजन हाइड्रोलिक ट्राली सहित (दो चक्के वाला) प्रति ट्रीप का दर आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्य का विस्तृत विवरण कार्यालय में सम्पर्क कर प्राप्त किया जा सकता है। कार्य हेतु दर स्वयं के आवेदन पत्र पर अंकित कर आवेदन पत्र के साथ राशि रु. 50000.00 का टी.डी.आर. '' मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद आरंग '' को देय अमानत राशि के रुप में संलग्न कर पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रस्तुत किये जाने की अंतिम तिथि 04/05/2020 सायं 05.30 बजे तक है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् आरंग

लघु उद्योग भारती ने मनाया 27 वां स्थापना दिवस

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। अखिल भारतीय औद्योगिक संगठन लघु उद्योग भारती की दुर्ग जिला इकाई हथखोज भिलाई इकाई इंडस्ट्रियल एरिया भिलाई के संयुक्त तत्वाधान में स्थापना दिवस पर वीडियो कांफ्रेंसिग के माध्यम से राष्ट्रीय अध्यक्ष बलदेव प्रजापति के संदिध्य में बैठक की। इसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष पुरुषोत्तम पटेल ने की। इसी तारतम्य में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश लकरा ने अपने संबोधन में लघु उधमियों को इएसआई के सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी देते हुए बताया की सरकार शीघ्र ही लघु उधमियों के हितार्थ घोषणा करने वाली है।

इकाई अध्यक्ष संजय चौबे, हथखोज इकाई अध्यक्ष मनीष भुस्चासिया एवं इंडस्ट्रियल एरिया के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंग केम्बो ने कहा कि आज जहां पूरा देश संकट से जूझ रहा है, वहीं हमने संगठन का स्थापना दिवस कार्यक्रम इस पुनीत कार्य से शुरू किया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उमेश चित्लांगया ने बताया कि बैठक में संगठन मंत्र के वाचन के साथ महत्वपूर्ण दो बिंदुओं पर चर्चा की गई, जिसमें आयात का विकल्प तलाशने व कलस्टर मैन्युफेक्करिंग पर चर्चा की गई। लघु उधमी किशन अग्रवाल एवं मनोज गोयल ने सभी उद्यमियों से अपील की कि वे अपनी यूनिट गाइडलाइन के अनुसार चलाएं।

Government of Chhattisgarh
Water Resources Department
Office of the Executive Engineer
M.R.P. Disnet Divison No. 03, Tilda, Raipur (C.G.)
Corrigendum No. 03

In System Tender No. 61811/NIT No. 13/SAC/ e-procurement/2019-20, Tilda, Dated 05.03.2020 (First Call) (Name of work: Remodelling & C.C. Lining work from R.D.0.00m. To 2080m. and construction of 02Nos. canal structures & fixing of 05No. colaba pipe of Maloud minor of Kodwa Distributory under Bhatapara Branch Canal.) whose G-No. 77674, following amendments are made:-

S.No.	Date-Time Schedule Details of the Bid	Earlier Published	Amendments now read as
1	Bid due date & time	08.04.2020 (17:30 Hours)	05.05.2020 (17:30 Hours)
2	Bid open, start date & time	09.04.2020 (11:30 Hours)	06.05.2020 (11:30 Hours)

G-80223/4

Executive Engineer
M.R.P. Disnet Divison No. 03.Tilda
Distt. Raipur (C.G.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर

-: बिजली बंद की सूचना :-

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि रायपुर ग्रामीण उपसंभाग के अंतर्गत 33 के.व्ही. नावेल्को फीडर में लाईन मेंटेनेंस कार्य हेतु दिनांक 28.04.2020 को सुबह 09.00 से शाम 03.00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण उपकेन्द्र से निकलने वाले समस्त फीडर एवं दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्रं.	उपकेन्द्र का नाम	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1.	33/11 आमासिवनी उपकेन्द्र	33 के.व्ही. नावेल्को फीडर	(1) आजाद राईस मील,(संकरी), (2) क्वालीटी कास्टिंग, (संकरी) (3) संजय ग्रेन्स, (संकरी)(4)मां मौली, (संकरी) (5) नावेल्को, (संकरी)(6)सोहन लाल मुंषी लाल,(संकरी) (7) भगवती राईस मील (संकरी)(8) वन अनुसंधान संस्थान, (विधानसभा) (9) ज्ञान गंगा (नरदहा) (10)एस. बी.ए. एजूकेशन सोसायटी, (नरदहा)(11) एन. एच.गोयल स्कूल, (नरदहा) (12) डी.पी.एस. स्कूल (सेमरिया)(13) मोतीन देवी फुड प्रोडक्ट (सेमरिया) (14) इंडियन राईस मील, (दोंदेखुर्द) (15) आर.सी. कास्टिंग (दोंदेखुर्द) (16) पी.डी. राईस मील (दोंदेखुर्द) (17) सी. एल. आर. के. (दोंदेखुर्द) (18) दिलीप इंप्लेक्स (संकरी)
2.	33/11 के. व्ही. आमासिवनी उपकेन्द्र	11 के. व्ही. विधान नगर फीडर	11 के.व्ही. विधान नगर कालोनी के अंतर्गत आने वाले के समस्त उपभोक्ता।
3.	33/11 के. व्ही. आमासिवनी उपकेन्द्र	11 के. व्ही. संकरी फीडर	ग्राम-संकरी एवं लोहारा भांठा के समस्त उपभोक्ता।
4.	33/11 के.व्ही. दोंदे उपकेन्द्र	11 के.व्ही. दोंदेखुर्द ग्रीमण फीडर	ग्राम-दोंदेखुर्द, दोंदेकला, मटिया, बरबंदा एवं लालपुर (भांठापारा) के समस्त उपभोक्ता।

''विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं. 1912 पर दर्ज कराएें।''

संवाद-25211/2

असुविधा के लिए खेद है

कार्यपालन यंत्री (संचा./संधा.) संभाग
छ. स्टे. पॉ. डि. कं. लि. रायपुर

''विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध हैं कृपया इससे बचे'' ''स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए''

न्यूज गैलरी

पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष बद्रीधर दीवान की तबीयत बिगड़ी, अपोलो में भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा विधायक बद्रीधर दीवान की आज अचानक तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद उन्हें बिलासपुर के अपोलो अस्पताल में दाखिल कराया गया है। श्री दीवान के पुत्र विजयधर दीवान ने बातचीत में बताया कि उनके पिता की पिछले कुछ दिनों से तबियत खराब चल रही थी। आज सुबह उनका स्वास्थ्य अधिक खराब होने के कारण उन्हें अपोलो अस्पताल में दाखिल किया गया है, जहां चिकित्सक डॉ देवेंद्र सिंह की देखरेख में उनका उपचार चल रहा है।

पीएम की बातें हौसला अफजाई करने वाली तथा प्रेरणादायी - बजाज

रायपुर। जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ रेडियो श्रोता संघ के संयोजक अशोक बजाज ने हमेशा की तरह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात की 64 कड़ी का प्रसारण आज रेडियो सेट पर सुना. श्री बजाज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज के प्रसारण में लॉकडाउन के नियमों का अनुशासित ढंग से पालन करने के लिए देश की जनता को धन्यवाद देते हुए संपूर्ण पृथ्वी के अक्षय होने की कामना की. उन्होंने देश की जनता से आव्हान किया कि कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में सामाजिक दूरी को बनायें रखें. श्री मोदी ने दो गज की दूरी : है बहुत जरुरी का मन्त्र देते हुए कहा कि सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी. उन्होंने आशा व्यक्त की कि मन की बात की अगली कड़ी के प्रसारण तक दुनिया कोरोना महामारी के खिलाफजंग में काफी हद तक सफल हो जाएगी. श्री बजाज ने कहा कि प्रधानमंत्री की बातें हौसला अफजाई करने वाली तथा प्रेरणादायी है।

पैसे के लेनदेन को लेकर मिली जान से मारने की धमकी

रायपुर। पैसे के लेनदेन में अक्सर लोगों में आपसी विवाद होता रहता है। डीडी नगर थाने से मिली जानकारी के अनुसार राजठाकुर आयु 16 वर्ष पिता दीनू सिंह ठाकुर निवासी शिवनगर चंगोराभाठा के साथ अपचारी बालक द्वारा पैसे को लेकर अपने मित्र संदीप पटेल को दिये गये पैसे को लेकर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए प्रार्थी की जमकर पिटाई की। साथ ही नुकीली चीज से उसके शरीर में चोट पहुंचाकर उसे घायल किया गया। उक्त मामले में डीडी नगर थाने ने आरोपी अपचारी बालक के खिलाफ आईपीसी की धारा 294, 506 एवं 323 के तहत मामला कायम किया है।

छूट क्या मिली, संक्रमण से बेफिक्र हुए लोग

दुकानों में लगी भीड़, दो पर मामला हुआ दर्ज, मिली रियायत तो जनता ने ली राहत की सांस

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राजधानी रायपुर सहित जिले में मिली छूट के बाद अब बाजार में फिर से चहल-पहल बढ़ने लगी है। हालांकि संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है, लेकिन शहर में जिस तरह से लंबे अंतराल के बाद भी कोरोना संक्रमित मरीज सामने नहीं आया है, इसे ध्यान में रखते हुए लॉकडाउन में आंशिक छूट दी गई है। लॉकडाउन 2 के दौरान राजधानी रायपुर सहित पूरे जिले में एक भी केस सामने नहीं आया। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने शहर के अंदर तथा जिलों में संचालित कुछ दुकानों को खोलने की अनुमति दी है। इन दुकानों के खुलने और बंद होने का समय भी निर्धारित कर दिया गया है। अभी तक पानी ठेलों, चाय की गुमटियों, नाश्ते के ठेले, स्टॉल, होटल, रेस्टोरेंट जैसे संस्थानों को खोलने की अनुमति नहीं दी गई है। वहीं दैनिक जरूरत की चीजों के साथ ही अन्य वस्तुओं की उपलब्धता सहज बनाने के लिए अनुमति दी गई है। इसमें बिजली दुकान से लेकर मोटर गैराज और हवा-पंचर की दुकान तक शामिल है। इधर शहर में व्यापारियों और पुलिस के बीच टकराहट की खबर उच्चाधिकारियों तक पहुंची थी। देश के कुछ अन्य जिलों में भी जहां इस तरह की छूट दी गई है, वहां भी कुछ इसी तरह के हालात बन रहे थे। इसे ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने छूट में खुलने वाली दुकानों और संस्थानों को लेकर फिर से एक स्पष्टीकरण आदेश जारी किया है। इधर शहर में दुकानों के खुलने से आमजनों ने राहत की सांस ली है। अल्प समय के लिए ही सही, मगर दुकानों के खुल जाने से अब जनजीवन पटरी पर आने लगा है। लोगों को उम्मीद है कि यह छूट जल्द ही और बढ़ेगी और अन्य दुकानों को भी खोलने की अनुमति मिल जाएगी। जानकारों का कहना है कि रायपुर जिले में हालात बेहतर हैं, लिहाजा देश भर में जारी लॉकडाउन 2 के समाप्त होने के बाद संभवतः रायपुर और राज्य के अन्य शहरों और जिलों में भी लॉकडाउन समाप्ति की घोषणा हो सकती है।

दुकान में लगा रखी थी बेतरतीब भीड़, जुर्म दर्ज

कोरोना वायरस के कारण इन दिनों संपूर्ण प्रदेश में लाकडाउन की स्थिति चल रही है। रायपुर कलेक्टर द्वारा सार्वजनिक स्थान पर पांच से अधिक व्यक्ति जमा होने पर धारा 144 का उल्लंघन करने की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। विधानसभा थाने से मिली जानकारी के अनुसार हेमेंद्र कुमार कश्यप आयु 43 वर्ष पिता स्व. परमेश्वर प्रसाद निवासी दोंदेकला में कश्यप फुटवेयर दुकान में अनाधिकृत रूप से जूता चप्पल की दुकान खोलकर बिना मास्क लगाए ग्राहकों की भीड़ जमा कर माल बेंच रहा था। उक्त मामले में विधानसभा थाने ने आरोपी के खिलाफ धारा 144 का उल्लंघन करने पर आईपीसी की धारा 188 के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

बिना मास्क, बेवक्त दुकानों ने बढ़ाया खतरा, फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं

एक माह से अधिक समय होने के बावजूद भी प्रदेश की स्थिति सामान्य होने के चलते केन्द्र सरकार के निर्देश पर प्रदेश शासन द्वारा सुबह 10 बजे से दोपहर 2.00 बजे के मध्य आवश्यक सामानों की खरीदी के लिए दी गई छूट का भी शहरी दुरूपयोग कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि देश के अन्य राज्यों में कोरोना संक्रमण के चलते स्थिति गंभीर है। सब्जी बाजार हो चाहे गोल बाजार हो या फिर पाश कॉलोनियों की दुकानों में लग रही भीड़ के चलते फिजिकल डिस्टेसिंग का पालन नहीं किया जा रहा है। कुछ लोगों की लापरवाही पूरे शहर पर भारी पड़ सकती है। वहीं पढ़े लिखे लोगों द्वारा बिना मास्क पहनकर सुबह शाम की सैर कर लॉक डाउन का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। समय-समय पर पुलिस प्रशासन की टुकड़ी चौक-चौराहों पर ड्यूटी के दौरान लोगों को कोरोना वायरस फैलने के खतरे से आगाह कर रही है। बावजूद इसके अभी तक लोगों की समझ में यह बात नहीं आ रही है कि उनकी लापरवाही के चलते अगर लॉक डाउन की अवधि बढ़ती है तो उन परिवारों का क्या होगा। जिनकी रोजी-रोटी रोजमर्रा की बिक्री से चलती है। इस संबंध में चिकित्सक डॉ. चन्द्रमणी तिवारी, डॉ. योगश मिश्रा, जिला चिकित्सालय पंडरी एवं बिलासपुर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संदीप गुप्ता ने आम लोगों से लॉक डाउन की अवधि में अपने घरों में रहने की अपील करते हुए छूट की अवधि में दुकानों में भीड़ नहीं लगाने का आग्रह किया है।

परंपरा....

रायपुर। अक्षय तृतीया के अवसर पर परंपरा अनुसार इस साल भी घर-घर में गुड्डा-गुड्डी का विवाह हुआ। चित्र कंकालीपारा का।

लॉकडाउन में घूम रहे निगरानीशुदा ने आरक्षक को मारा चाकू, गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राजधानी रायपुर में शनिवार देर रात को पेट्रोलिंग पर मोटरसायकल से निकले दो पुलिस कर्मियों में से एक पर निगरानीशुदा बदमाश ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया। हालांकि घटना के बाद पुलिस ने आरोपी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइन थाना सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार देर रात सिविल लाइन थाने में पदस्थ आरक्षक बी महेश राव और विक्रम मधुकर एक मोटरसायकल वाहन से पेट्रोलिंग पर निकले थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही वे तरुण नगर सामुदायिक भवन के पास पास पहुंचे वहां उनकी नजर निगरानीशुदा बदमाश बादल मेहरा पर गई जो लॉकडाउन में बिना किसी वजह से बाहर घुम रहा था।

पुलिस कर्मियों ने आरोपी को रूकने के लिए कहा। इस पर आरोपी गुस्से में आकर गाली-गलौज करते हुए बी महेश राव के कमर पर चाकू से हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी भागने लगा जिसे लोगों की मदद से पकड़ा गया। घायल आरक्षक को अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज दर्ज कर आगे की कार्यवाही कर रही है। बता दें कि आरोपी आदतन बदमाश प्रवृत्ति का है। इसके पूर्व भी उसके खिलाफ कई मामले थाने में दर्ज है।

निर्देश : रोड पास की जमीनों का किया जाए व्यावसायिक उपयोग

सीएम भूपेश ने ली निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक

कहा गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज लोक निर्माण विभाग के काम-काज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण, जल संसाधन, पंचायत सहित सभी निर्माण विभागों द्वारा संपादित कार्यों की गुणवत्ता को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्यों में थर्ड पार्टी निरीक्षण की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी के कार्यों की भी समीक्षा की और इन्हें प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री बघेल ने समीक्षा के दौरान सड़कों के किनारे जहां लोक निर्माण विभाग की पर्याप्त जगह है उनका व्यावसायिक उपयोग करने के निर्देश दिए। इन स्थानों में होटल, ढाबा आदि के लिए सुविधाएं विकसित करने कहा को ताकि स्थानीय निवासियों को रोजगार उपलब्ध हो सके और राहगीरों को भी सुविधाएं मिल सके। भूपेश बघेल ने कहा कि भविष्य में सड़कों के लिए जमीन अधिग्रहण करते समय भी इन सुविधाओं को विकसित करने का ध्यान रखा जाए और इनके लिए जमीन आरक्षित रखी जाए।

मुख्यमंत्री ने भवन, सड़क, पुल-पुलियों सहित सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए प्रगतिरत कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू ने बताया कि सड़कों और पुलों के वार्षिक संधारण कार्य के लिए निर्धारित अवधि 3 वर्ष को बढ़ाकर 5 वर्ष कर दिया गया है। इस अवसर पर कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, मुख्य सचिव आर.पी. मण्डल, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, अपर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, सचिव लोक निर्माण सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव लोक निर्माण जैन ने प्रस्तुतिकरण के जरिए वित्तीय एवं भौतिक कार्यों की जानकारी दी।

ऐहतियात मंत्री सिंहदेव ने पत्रकार वार्ता में कहा कल पहुंचेंगे बच्चे

कोटा से लौटने वाले छात्रों को परिवार से रखा जाएगा दूर

■ **सभी को अलग-अलग जिलों में रखा जाएगा क्वारंटाईन**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पत्रकार वार्ता में सवालों का जवाब दिया। उन्हों ने कोटा में प्रदेश के बच्चों को लेने गई बसों के लौटने से लेकर उनके क्वारंटाईन में रखे जाने तक और स्वास्थ्य विभाग व्दारा किए जा रहे कार्यों का खुलासा किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कोटा से लौटने के बाद भी मां-बाप अपने बच्चों से नहीं मिल पायेंगे। राज्य सरकार ने बच्चों को उनके परिजनों से दूर रखने का फैसला लिया है, लिहाजा छत्तीसगढ़ आने के बाद भी बच्चों को उन जिलों में नहीं भेजा जायेगा, जहां के वो रहने वाले हैं। विभाग की तरफ से बच्चों को अलग-अलग जिलों में 14 दिन के लिए क्वारंटाइन में रखने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार के निर्णय के मुताबिक दुर्ग के रहने वाले बच्चों को बिलासपुर ले जाया जायेगा, जहां उन्हें 14 दिन के लिए क्वारंटाइन में रखा जायेगा, उसी तरह बिलासपुर के रहने वाले बच्चों को रायपुर में आइसोलेट किया जायेगा। जबकि कोरबा के बच्चों को बिलासपुर में 14 दिन के लिए रोका जायेगा।

राज्य सरकार ने सभी कलेक्टरों को संख्या के हिसाब से बच्चों के लिए व्यवस्था का निर्देश दिया है। राजस्थान के कोचिंग हब से छत्तीसग? के छात्र-छात्राओं को लेकर बसें आज शाम सात बजे के बाद कोटा से रवाना हो जायेंगी। कोटा से आने के लिए सर्वाधिक दुर्ग के बच्चों का रजिस्ट्रेशन किया गया है, वहीं कोरबा जिले के 141 छात्र-छात्राओं और रायपुर से करीब 300 बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ।

इन बसों से परसों सुबह तक छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में पहुँचने की उम्मीद है। बिलासपुर संभाग के विद्यार्थियों को लेकर बसें कोटा में तीन तय जगहों से शाम सात बजे छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हुई है। कोरबा के बच्चों के लिए कोटा के कंट्री इन से नौ बसें, सत्यार्थ से आठ बसें और कुनहा?ी से 11 बसें बिलासपुर संभाग के विद्यार्थियों को लेकर रवाना होंगी। कोटा जिला प्रशासन द्वारा इसकी सूचना सभी कोचिंग संस्थानों को दी गई है।

हत्या कर महिला की लाश बोरी में सीलकर फेंकी गई, इलाके में खौफ

रायपुर (नव प्रदेश)। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती थाना इलाके में महिला की सड़ी गली अवस्था में लाश मिलने से खौफ का माहौल है। महिला की हत्या करने के बाद शव को एक कपड़े और बोरे में बांधकर नाले के नीचे फेंक दिया गया था. वो भी ऐसे समय में जब कोरोना की वजह से पूरा प्रदेश लॉकडाउन है. मामला काठाडीह रोड स्थित टाटा बाड़ी के पास का है। पुरानी बस्ती टीआई राजेश सिंह के मुताबिक सुबह 10-30 बजे के आस-पास काठाडीह रोड स्थित टाटा बाड़ी के पास नाले के नीचे एक महिला की लाश बोरे में बंधी मिली है। बोरे की बकायदा सिलकर ऊपर से दरी ढक दिया गया था. लाश करीब 4 से 5 दिन पुरानी लग रही है और पूरी तरह से सड़ चुकी है।

नैतिकता दिखाए सरकार प्रदेश को शराब मुक्त करे

शराब माफिया और अवैध कारोबार पर पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल की अपील

रायपुर (नव प्रदेश)। छत्तीसगढ़ प्रदेश में शराब के अभिशाप से गांव गरीब सब बेहाल हैं, किसी दल विशेष की सरकार को ही जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। परंतु यह सत्य है कि जिस मंशा से प्रदेश में शराब माफियाओं को जड़ से समाप्त करने के लिए ठेका पद्धति बंद करा कर सरकार स्वयं आंशिक नशा मुक्ति की ओर अग्रसर होने प्रयासरत रही, मगर परिणाम बद से बदतर होता चला गया है। बल्कि ना तो शराब माफिया का सफाया हुआ न ही शराब के अवैध कारोबार का, बल्कि विगत वर्ष से यह एक अवैध व्यवसाय/ कारोबार बन गया। सरकारी संचालन ने सरकार की मंशा पर पानी फेर दिया। नतीजन छत्तीसगढ़ की जनता को शराब ने पूरी तरह प्रदेश को गिरफ्त में लिये है। कांग्रेस ने अपने चुनावी वादों में पूर्ण शराबबंदी का वादा किया मगर परिणाम आज जनता के सामने है, लॉक डाउन में ही पूर्ण शराबबंदी के लिए भूपेश सरकार फैसला ले तो बेहतर है। पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल ने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से पुनः अनुरोध किया है कि अब यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया कि छत्तीसगढ़ की जनता शराब की गुलाम नहीं है बल्कि हर तरह से धैर्यवान है। यदि गुलाम है तो शराब की आड़ में गोरखधंधा करने वाले लोग चाहे वह कोई भी हो कोरोना संक्रमणकाल के दरमियान विगत 1 माह से शराब दुकानें बंद है यह प्रदेश का सौभाग्य है कि शराब के अभाव में किसी भी प्रकार की एक भी अप्रिय घटना नहीं घटी यह सिद्ध करता है कि जनता शराब से निजात पाना चाहता है प्रदेश के आम नागरिक माताएं बहने समाज सेवी संस्थाएं आज निरंतर इस पर चर्चा कर रहे हैं की शराब के बिना ही छत्तीसगढ़ प्रदेश अपने विकास को तय करेगा ।

संपादकीय

दो गज की दुरी बहुत जरूरी

प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बार कोरोना वायरस को लेकर अपने मन की बात कहीं है जिसमें उन्होने इस बात पर जोर दिया है कि कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है इसलिए हम देशवासियों को अभी और कुछ वक्त तक दो गज की दूरी बनाकर कर रखना जरूरी है। पीएम मोदी ने दो दिन पूर्व पंचायत प्रतिनिधियों से चचौ के दौरान भी यही बात कही थी। उन्होने कहा था कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग लॉकडाउन का इमानदारी से पालन कर रहे है यही वजह है कि कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे से ग्रामीण क्षेत्र अप्रभावित है। उन्होने कहा था कि गांव वालों

ने सारी दुनिया को बहुत ही सरल शब्दों में दो गत दूरी का मंत्र दिया है इसे आत्मसात कर के ही हम कोरोना वायरस के संक्रमण से बच सकते है। वास्तव में अभी भारत में कोरोना का कहर जारी है। यद्यपि दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत की स्थिति बेहतर है लेकिन खतरा अभी बरकरार है। एसी स्थिति में सावधानी बरतकर ही हम कोरोना को हराने में सफल होंगे। सरकार ने समय रहते लॉकडाउन घोषित किया और फिर उसे 3 मई तक के लिए बढ़ा दिया। इसी का सुपरिणाम है कि कोरोना वायरस के फैलने की रफ्तार पर ब्रेक लगा है किन्तु अभी भी स्थिति सामान्य नहीं हुई है कि हम घरों से बाहर निकलकर जगह-जगह भीड़ लगा दें। देश में आर्थिक गतिविधियों को शुरू करने की कोशिश के तहत सरकार ने लॉकडाउन के दौरान कुछ और व्यवसाय के लिए सशर्त छूट प्रदान की है। किन्तु देखा जा रहा है कि इन शर्तो का लोग उल्लंघन कर रहे है। बाजारों में ऐसी भीड़ उमड़ पड़ी है मानों सब कुछ ठीक हो गया है। जबकि खतरा अभी भी कायम है यदि हम सामाजिक दुरी बनाकर नहीं चलेंगे तो कोरोना संक्रमण के फैलने का खतरा बढ़ जाएगा और फिर हालात इतने खराब हो जाएंगे कि उस पर काबू पाना असंभव की हद तक कठिन हो जाएगा। इसलिए यह आवश्यक है कि लॉकडाउन में मिली छूट का अनुचित लाभ न उठाया जाएं, घरों में ही रहा जाएं और बहुत जरूरी होने पर ही बाहर निकला जाए, मास्क का उपयोग अवश्य किया जाए इस तरह की सावधानी बरत कर ही हम खुद को और अपने परिवार को कोरोना वायरस के कहर से बचा सकते है।

विचार

कोरोना: गरीबों की उपेक्षा

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कोरोना-संकट के कारण सबसे ज्यादा मुसीबत किसकी हुई है ? मैं समझता हूं कि सबसे ज्यादा मुसीबत हमारे गरीब लोग झेल रहे हैं। सच्चाई तो यह है कि कोरोना है ही अमीरों की बीमारी ! अमीर लोगों की ही हैसियत है कि वे विदेशों से आते हैं और विदेशों में जाते हैं। इस बीमारी का आयात उन्होंने ही किया है। वे भारत लौटकर जिन-जिन लोगों के संपर्क में आते हैं, उन्हें भी वे बीमार करते चले जाते हैं। क्या वजह है कि मुंबई, दिल्ली, जयपुर और इंदौर जैसे शहरों में कोरोना का प्रकोप सबसे ज्यादा है ? उसकी वजह यही है। लेकिन हमारी सरकार और हमारा रवैया क्या है ? गरीबों के प्रति हमारा रवैया मेहरबानी का है, कृपा का है, एहसान का है, दया का है। वरना क्या वजह है कि कोटा में फंसे हजारों प्रवासी छात्रों के लिए मप्र, उप्र, राजस्थान और हरयाणा जैसे प्रदेश विशेष बसें चला रहे हैं ताकि उन्हें उनके गांवों और शहरों तक निःशुल्क पहुंचाया जा सके। उनके खाने-पीने और सुरक्षा का भी सारा इंतजाम सरकारें कर रही हैं। केंद्र सरकार का गृह मंत्रालय भी गुपचुप देख रहा है। दूसरी तरफ देश के छोटे-बड़े शहरों की सीमाओं पर लाखों मजदूर, मजदूरनियां और उनके बच्चे हैं, जिनके घर पहुंचने का कोई इंतजाम नहीं है। लोग सैकड़ों मील पैदल या साइकिलों से अपने गांव पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। जो लोग फंसे हुए हैं, उनके खाने-पीने और रहने का इंतजाम सरकारें जमकर कर रही हैं लेकिन फिर भी उनमें गहरी छटपटाहट भड़की हुई है। वे अपने घर लौटने के लिए इस कदर बेताब हैं कि वे एक-एक ट्रक में 75-75 लोग छिप-छिपाकर सैकड़ों मील की यात्रा कर रहे हैं। एक-एक सवारी 2-2 हजार रु. दे रही है। ट्रक के ड्राइवर उनसे ऊपर का पैसा भी वसूल कर रहे हैं। ऐसे दो ट्रक कल गुड़गांव में पकड़े गए हैं। मैं तालाबंदी के पहले दिन से कह रहा हूं कि इन लाखों प्रवासी मजदूरों को अपने घर भेजने की व्यवस्था कीजिए। यदि ये लोग उसी समय चले जाते तो तालाबंदी खुलने पर ये लोग अपने आप लौट आते। वे लोग गांवों में रहते हुए ऊब जाते। अब 3 मई के बाद वे लौटेंगे या नहीं, कुछ पता नहीं। कोटा से लौटनेवाले छात्रों में अभी तक एक भी कोरोना का रोगी नहीं निकला तो ये सब मजदूर कोरोना के संभावित रोगी क्यों मान लिए गए हैं ? क्योंकि ये गरीब हैं, बेजुबान हैं, गांवदी हैं जबकि कोटा के छात्र संपन्न वर्ग के हैं, लंबी जुबानवाले हैं और शहरी हैं। यही फर्क हमें अमेरिका में भी देखने को मिल रहा हे। वहां काले-अफ्रीकी, लातीनी और एशियाई मूल के नागरिकों को काफी उपेक्षा हो रही है।

टेक ज्ञान- बेस्ट रिचार्ज प्लान

रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन जैसी कंपनियां 150 रुपये से कम में कई प्रीपेड प्लान ऑफर करती हैं। अगर आप भी सस्ते प्लान की तलाश में हैं तो इनमें से कोई एक प्लान आपके लिए भी काम का साबित हो सकता है। 150 रुपये से कम वाले प्लान आए।

योगेश कुमार गोयल

प्लाज्मा थैरेपी के तहत डॉक्टर ऐसे मरीजों का प्लाज्मा एकत्र करते हैं, जो कोरोना वायरस का संक्रमण होने के बाद ठीक हो जाते हैं और फिर उस प्लाज्मा को उन मरीजों को चढ़ा दिया जाता है, जिनका कोरोना का इलाज चल रहा है। इससे रोगी का रोग प्रतिरोधक तंत्र इन एंटीबॉडीज की मदद से इन्हीं जैसी और एंटीबॉडीज बनाना शुरू कर सकता है। ये एंटीबॉडीज किसी भी व्यक्ति के शरीर में उस वक्त विकसित होना शुरू होती हैं, जब वायरस उनके शरीर पर हमला करता है। ऐसी परिस्थिति में ये एंटीबॉडीज वायरस पर हमला करते हुए उसे निष्क्रिय करने का कार्य करती हैं। वायरस से बचाने के लिए इस थैरेपी के जरिये रोगी को पैसिव इम्युनिटी देने का प्रयास किया जाता है।

कोरोना के गंभीर मरीजों के लिए संजीवनी बनेगी प्लाज्मा थैरेपी!

रक्त प्लाज्मा से कोरोना मरीजों का इलाज

विश्वभर में लाखों लोगों की जान ले चुके कोरोना के कहर से लोगों को बचाने के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिक वैक्सीन बनाने में जुटे हैं लेकिन कोरोना की प्रभावी वैक्सीन या टीके उपलब्ध होने में अभी काफी लंबा समय लग सकता है। यही कारण है कि कोरोना मरीजों की जान बचाने के लिए अब प्लाज्मा थैरेपी का उपयोग किए जाने पर विचार किया जा रहा है। कोरोना की वैक्सीन और इस थैरेपी में सबसे बड़ा अंतर यही है कि जहां वैक्सीन लगने के बाद मरीज के शरीर का रोग प्रतिरोधी तंत्र स्वयं एंटीबॉडीज बनाने लगता है, जिससे संक्रमण होने पर शरीर में बैक्टीरिया अथवा वायरस को निष्क्रिय करने की क्षमता होती है। दूसरी ओर प्लाज्मा थैरेपी में मरीज को जो एंटीबॉडीज दी जाती हैं, वे शरीर में स्थायी तौर पर मौजूद नहीं रहती। एंटीबॉडीज प्रोटीन से बनी विशेष प्रकार की इम्यून कोशिकाएं होती हैं, जिन्हें मेडिकल भाषा में 'बी-लिम्फोसाइट' कहा जाता है। शरीर के भीतर जब भी कोई बाहरी चीज पहुंचती है, ये तुरंत अलर्ट हो जाती हैं। शरीर में बैक्टीरिया अथवा वायरस द्वारा छोड़े जाने वाले विषाक्त पदार्थों को निष्क्रिय करने का कार्य ये एंटीबॉडीज ही करती हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा इस थैरेपी के उपयोग हेतु रक्त प्लाज्मा से कोरोना मरीजों के उपचार के ट्रायल की अनुमति दे दी गई है। अब देश के पांच आयुर्विज्ञान कॉलेज तथा अस्पतालों में इसका क्लीनिकल ट्रायल किया जाएगा। फिलहाल तिरूवनंतपुरम स्थित चित्रा तिरूनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान को क्लीनिकल ट्रायल के तौर पर सीमित संख्या में इस तकनीक के इस्तेमाल की अनुमति दी गई है। कोरोना रोगियों के उपचार के लिए इस थैरेपी को इसलिए अपनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं क्योंकि कोरोना से ठीक हो चुके एक ही व्यक्ति के रक्त से कोरोना के चार नए मरीजों का इलाज किया जा सकता है। दरअसल एक व्यक्ति के रक्त से 800 मिलीलीटर तक प्लाज्मा लिया जा सकता है और कोरोना संक्रमित किसी मरीज के शरीर में एंटीबॉडीज डालने के लिए करीब 200 मिलीलीटर तक प्लाज्मा चढ़ाया जा सकता है। कोरोना संक्रमण से उबर चुके मरीज के शरीर से एंटीबॉडीज उसके ठीक होने के 14 दिन बाद ही लिए जा सकते हैं और प्लाज्मा देने वाले व्यक्ति की पूरी जांच करके सुनिश्चित किया जाता है कि उसे कोई और बीमारी तो नहीं है।

कितनी सुरक्षित और प्रभावी है यह थैरेपी ?

वर्ष 2009-2010 में 'एच1एन1 इंफ्लुएंजा' महामारी फैली थी, तब प्लाज्मा थैरेपी का उपयोग करते हुए ही संक्रमण को नियंत्रित कर काफी मरीजों का उपचार किया गया था। इबोला महामारी के समय भी यह थैरेपी काफी मददगार साबित हुई थी। इसकी जरूरत इसलिए भी महसूस होती रही हैं क्योंकि किसी भी प्रकार का बैक्टीरियल संक्रमण फैलने की स्थिति में पहले से ही मौजूद एंटीबायोटिक्स के जरिये उसका इलाज किए जाने की पूरी संभावनाएं रहती है लेकिन जब संक्रमण या महामारी फैलने की वजह से कोई नए प्रकार का वायरस बनता है तो उसे नियंत्रित करने के लिए पहले से कोई एंटीवायरल उपलब्ध नहीं होती। ऐसे वायरस की रोकथाम के लिए एंटीवायरल बनाने में लंबा समय लगता है और तब तक जान-माल का बहुत बड़ा नुकसान हो जाता है। ऐसे में प्लाज्मा थैरेपी का इस्तेमाल इस नुकसान को सीमित करने में मददगार साबित होता रहा है। हालांकि ऐसा नहीं है कि कोरोना से जंग जीतने वाले हर व्यक्ति का रक्त प्लाज्मा थैरेपी में इस्तेमाल कर लिया जाएगा और इस रक्त प्लाज्मा को किसी भी मरीज को चढ़ा दिया जाएगा। दरअसल कोरोना को हराकर स्वस्थ हुए हर डोनर की तमाम जरूरी जांच करने के बाद ही उसका रक्त लिया जाता है और यह प्लाज्मा उसी मरीज को चढ़ाने पर विचार किया जाता है, जिसका रक्त समूह डोनर के रक्त समूह से मिलता हो।

चीन के बाद कई देशों में चल रहे ट्रायल

जिस चीन ने कोरोना नामक अपनी जानलेवा सौगात के जरिये पूरी दुनिया में कोहराम मचाया है, उसी चीन में इसी प्लाज्मा थैरेपी के जरिये कुछ मरीजों की जान बचाने की खबरें कुछ समय पहले सामने आई थी। चीनी अध्ययनकर्ता खुलासा कर चुके हैं कि वेंटिलेशन पर पहुंचे कोरोना के कुछ गंभीर मरीजों की जान कोन्वल्सेंट प्लाज्मा से बचाई गई थी। उनके मुताबिक इस प्लाज्मा थैरेपी के 12 से 24 घंटे में ही कई गंभीर मरीजों में सुधार आने लगा था। बताया जाता है कि फरवरी माह में चीन के करीब बीस ऐसे डॉक्टरों और नर्सो ने अपने प्लाज्मा दान किए थे, जो कोरोना से संक्रमित होने के बाद ठीक हुए थे। इन प्लाज्मा का उपयोग वहां कोरोना के कई मरीजों पर किया गया और कहा जाता है कि इससे मरीजों के उपचार में काफी मदद मिली। वहां के डॉक्टरों के अनुसार प्लाज्मा थैरेपी के अध्ययन के आरंभिक नतीजों के आधार पर कोरोना के टीके या कारगर दवा के अभाव में विशेष प्लाज्मा का प्रयोग कोरोना रोगियों के इलाज का एक कारगर उपाय है। चीन के अध्ययनकर्ताओं के दावों के बाद अमेरिका तथा इंग्लैंड में इस थैरेपी को लेकर ट्रायल शुरू हो चुके हैं और हमारे यहां भी इसके ट्रायल की अनुमति दी जा चुकी है। ब्रिटेन में ग्लासगो विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ता प्रो. डेविड टेपिन द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य अध्ययन संस्थान में कोन्वल्सेंट प्लाज्मा से क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति मांगी गई है। अमेरिका में भी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफ्डीए) द्वारा कोरोना से ठीक हो चुके लोगों से प्लाज्मा दान करने की अपील की जा चुकी है।

दशकों से इस्तेमाल हो रही है प्लाज्मा थैरेपी

ऐसा नहीं है कि इस थैरेपी के जरिये वायरस संक्रमित मरीजों का इलाज करने पर पहली बार विचार किया जा रहा हो बल्कि पिछले करीब सौ वर्षों से इस पद्धति को अपनाया जाता रहा है। सबसे पहले वर्ष 1918 में फैले स्पेनिश फ्लू के इलाज में अमेरिका द्वारा इस पद्धति को अपनाए जाने की जानकारी मिलती है। उसके बाद वर्ष 2003-04 में सार्स से निपटने में हांगकांग द्वारा, 2009 में स्वाइन फ्लू के मरीजों के उपचार में दुनियाभर में और 2014 में इबोला मरीजों के उपचार के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रोटोकॉल के आधार पर कोन्वल्सेंट रक्त तथा प्लाज्मा थैरेपी का उपयोग किया गया था। प्लाज्मा थैरेपी के दौरान ऐसे 'हाइपर इम्यून' व्यक्तियों की पहचान की जाती है, जो वायरस को हराकर स्वस्थ हो चुके होते हैं और उनके श्वेत रक्त से प्लाज्मा लिया जाता है।

फेसबुक-रिलायंस जियो सौदा

अंजन रॉय

यूरोपीय लोगों ने चीन के 'सत्य प्रबंधन' के बारे में बात की है, जहां तक कि उस देश में कोविड रोगियों और मौतों की रिपोर्ट है। बहुत बाद में मौत के आंकड़ों का अचानक संशोधन, मौत की संख्या को काफी हद तक बढ़ा देता है, इसे 'खतरनाक' भी कहा गया है। चीन की आक्रामक कूटनीति ने और भी आत्मविश्वास को हिला दिया है। सच यह है कि अब लोग अपने सभी अंडे एक टोकरी में नहीं डालना चाहते हैं। इस विचार को चलाने वाली सबसे बड़ी घटना में से एक था, मेडिकल सामग्री के निर्यात का अचानक निलंबन। भारतीय चिकित्सा संघटक उत्पादकों को चीन के आक्रामक सस्ते उत्पादकों द्वारा व्यवसाय से बाहर कर दिया गया है। हालांकि, जैसा कि चीन वायरस की महामारी शुरू हुई और आपूर्ति बंद हो गई। भारतीय फर्मो को समझ में नहीं आया कि वे क्या करें।

कोरोना महामारी के बाद की दुनिया के लिए तैयारी

कोरोनावायरस महामारी के दौरान दो निजी कंपनियों के बीच एक वाणिज्यिक सौदे का रणनीतिक राजनयिक महत्व हो सकता है और यह कोरोना के बाद की दुनिया का एक संकेत हो सकता है। सबसे ग्लैमरस टेक्नोलॉजी दिग्गजों में से एक, फेसबुक ने रिलायंस ग्रुप के जियो टेलीकॉम में 9 फीसदी की मामूली हिस्सेदारी 43,350 करोड़ रुपये में ली है। यह अल्पसंख्यक हिस्सेदारी के लिए सबसे बड़ा एकल प्रौद्योगिकी निवेश है। सौदा 60 बिलियन डॉलर का है।

इस सौदे ने कॉर्पोरेट चैकीदारों की नींद उड़ा दी है। लेकिन फिर, सभी ने इसका स्वागत किया है। इसके विपरीत, एक और मौन शेयर खरीद हुई है, जिसके बाद इसे रोकने के लिए केंद्र सरकार ने कदम उठाए। एक चीनी बैंक ने एचडीएफसी बैंक में एक छोटे हिस्से का शेयर खरीदा था। उसकी जानकारी के बाद केन्द्र सरकार ने एक निर्देश जारी किया कि भारत के साथ सीमा साझा करने वाले देशों की कंपनियों द्वारा किसी भी सौदे को पूर्व मंजूरी लेनी होगी। पड़ोसी देशों से निवेश पर प्रतिबंध की घोषणा के बाद भारत में चीनी राजदूत ने एक बयान जारी कर इस कदम की जोरदार आलोचना की थी। ये दो अधिग्रहणों की दास्तां हैं, जो विपरीत स्वागत प्राप्त करते हैं। इन दो सौदों की स्पष्ट कहानियों के पीछे जाने की जरूरत है। उनके परिप्रेक्ष्य और उनके द्वारा अलग-अलग प्रतिक्रियाओं को समझने के लिए, किसी को वर्तमान वैश्विक दुर्भाग्य के व्यापक संदर्भ को समझना होगा। लेकिन इससे पहले फेसबुक-जियो डील के कुछ विवरणों पर थोड़ा गौर करें। फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्ग ने कहा है कि वे छोटे भारतीय व्यवसायों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रिलायंस के डिजिटल मार्केट प्लेस के साथ सहयोग करना चाहते थे। जुकरबर्ग ने कुछ 6 करोड़ छोटे व्यवसायों का उल्लेख किया जो अपने ग्राहकों और उनके साथ संवाद करने के इच्छुक ग्राहकों के संपर्क में आने के लिए उपकरणों की तलाश कर रहे हैं। फेसबुक के पास भारत में सबसे बड़ा उपयोगकर्ता आधार है। इसके विपरीत फेसबुक चीन में अवरुद्ध है।

रिलायंस के प्रमुख, मुकेश अंबानी ने कहा कि दोनों

कंपनियों के एक साथ आने से भारत के डिजिटल परिवर्तन में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश में 3 करोड़ किराना दुकानें हैं जो डिजिटल मार्केट प्लेस पर अपने ग्राहकों से संपर्क करने के लिए तत्पर हैं। इसके अतिरिक्त व्यवसाय के लिए कई और अवसर हैं। छोटे किसान फेसबुक के व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म पर चलाए जा रहे डिजिटल मार्केट प्लेस से भी लाभान्वित हो सकते हैं। ये व्यापार के लिए बड़ी संख्या हैं जो आपको चीन के बाहर नहीं मिलते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म बड़ी संख्या में काम करते हैं और इसलिए कंपनियां संभावित डिजिटल बाजारों की तलाश करती हैं। वर्तमान में जो महामारी है, उसके वैश्विक असर को ध्यान में रखना होगा। पहले से ही, चीन की वैश्विक कूटनीति के बारे में व्यापक संदेह है। ज्यादातर अमेरिकी बड़े कॉर्पोरेट, जिन्होंने चीन में निवेश किया है, यूएसए या अन्य जगहों पर अपने उत्पादन प्रतिष्ठान को स्थानांतरित करने के बारे में सोच रहे हैं। जापान ने अपनी कंपनियों को चीन से वापस आने को कहा है और यहां तक कि चीन के अलावा अन्य जगहों पर सुविधाएं स्थापित करने के लिए चुनने वाली कंपनियों के लिए प्रोत्साहन राशि की घोषणा की।

कोविद के बाद की दुनिया में बड़ी संख्या में कंपनियों के लिए भारत एक स्वाभाविक विकल्प होगा। फेसबुक-रिलायंस जियो सौदा उस प्रवृत्ति का अग्रदूत हो सकता है। चीन द्वारा समय पर बाकी दुनिया को पहले से कोविद के बारे में पर्याप्त रूप से चेतावनी नहीं देने के कारण उसके बारे में चारों ओर संदेह पैदा हो गया है। तथ्य यह है कि वुहान के तथाकथित पशु बाजार में इसका प्रकोप शुरू हुआ, और संयोग है कि वुहान वह जगह है जहां चीन का सबसे महत्वाकांक्षी विषाणु विज्ञान संस्थान है, जिसने महामारी की अंतिम उत्पत्ति के बारे में संदेह को और बढ़ा दिया है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने पहले वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से रिसाव के बारे में अपने संदेह की बात कही थी। वाशिंगटन पोस्ट ने वायरोलॉजी संस्थान में खतरनाक वायरस के भंडारण की सुरक्षा और सुरक्षा पर राजनयिक पत्राचार के बारे में लिखा। अब ऑस्ट्रेलिया ने महामारी की उत्पत्ति की संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय जांच का आग्रह किया है। यूरोपीय फार्मास्युटिकल फॉर्मुलेशन निर्माताओं को भी इसी तरह की दुविधा का सामना करना पड़ा था। अब वे स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने की सोच रहे हैं। कोविद प्रकरण के बाद और भी बुरा यह है कि अब चीन के और अधिक मजबूती से और अधिक शक्तिशाली रूप से अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य पर वापस आने की आशंका है, जबकि ज्यादातर अन्य देश कोविद महामारी से त्रस्त हो रहे हैं।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

जब स्मृति ईरानी जी का

जब स्मृति ईरानी जी का मान मर्दन करने कि सीमा लांघ जाते है तब?? लेकिन इनके राजमाता का नाम भी कोई कैसे पूछ ले?? वैसे अब इनको सनातनी संस्कृति का महिलाओं के प्रति संस्कार याद आ रहा है जो उसी सनातनी साधुओ के हत्या पर चुप्पी साधे हुए थे।

- अम्बर दानी

जिस तरह सिलाई मशीन में धागा नहीं

जिस तरह सिलाई मशीन में धागा नहीं डालने पर वो चलती तो है.... पर कुछ सिलती नहीं.. इसी तरह.... रिश्तों में प्यार नहीं डालोगे तो ज़िन्दगी चलेगी ज़रूर.... पर रिश्तों को जोड़ नहीं पायेगी !!!

- धीरज सिंह धीरू

खास पाती

बादल आओ जल बरसाओ

बादल आओ जल बरसाओ भूमि पूछे तुम नभ पर ,घन आते क्यों हो बूंद नही जब बरसानी,तब छाते क्यों हो भूमि प्यासी जल चाहे , मेघो को देखे पूछ लो आकर पोधो, मुरझाते क्यों हो फूल ने भी हसरत से , ऊपर को देखा खूब पानी बरसाओ , अलसाते क्यों हो चाहते धान उगायें ,पर बो ना पाये है किसानो घर सूखा,तड़पाते क्यों हो ताल,तालाबो,घाटो पर प्यासे खग हैं जोर से बरसो ,थोड़ा ,बरसाते क्यों हो हाथ बंधे सबके हैं , करते हैं विनती कष्ट को और,बिना जल,बढ़वाते क्यों हो। **-शालिनी शर्मा**

आशाओं के दीप जलाकर कोरोना को

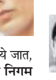

आशाओं के दीप जलाकर कोरोना को देंगे मात। तेरी,मेरी,इसकी,उसकी, सबकी है ये मन की बात। थोड़ा-थोड़ा हाथ बढ़ा दें, थोड़ा- थोड़ा दे दे साथ, कोरोना डरकर भागेगा,कोरोना की क्या औकात। सुबह सुनहरी फिर आयेगी, कट जाएँगी काली रात। छट जाएँगे बादल दुख के,रुक जाएगी ये बरसात। कोरोना न धरम देखता,और न पूछेगा ये जात, आओ मिलकर मार भगाएँ देकर इसको दो-दो लात। **- बलराम निगम**

अपने बिचार से, जिंदगी के साथ चलती..

अपने बिचार से, जिंदगी के साथ चलती.. सिर्फ अपनी नहीं, अपनों के साथ चलती..। इच्छाओं की कभी अंत नहीं होती... सालों साल जिंदगी से जुड़े रहने वाली भी अचानक पराई नज़र आती...। मन की आंखें , हकीकत से दूर रहता...! चाहत, ईवादत हो तो, सुकून मिलता... अपनों को खुश देखकर हमेशा खुशी ही मिलता ।।।

- मितु घोष

नहीं चाह किसी सल्तनत की

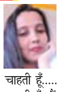

नहीं चाह किसी सल्तनत की, न दुनियां क़दमों में झुकाना चाहती हूँ मैं तो बस दुनियां में छोटा सा इक नाम बनना चाहती हूँ..... नहीं बनना आरती मंदिर की न मस्जिद की अजान बनना चाहती हूँ मैं तो बस भावनाओ से भरी इक इंसान बनना चाहती हूँ.... नहीं पहुँचना चाहती चाँद पर न तारों पर विजय पाना चाहती हूँ डिग न सके अपने पथ से जो ष्मैं तो बस वो ईमान बनना चाहती हूँ।**- प्रीया वाच्छानी**

जिनकी जिंदगी की चादर फटी

जिनकी जिंदगी की चादर फ़टी हुई होती है ... वो सेकंड हैंड चीजें खरीद-खरीद कर ... खूब कसीदाकारी करते हैं फ़टी जिंदगी की लोग उनकी तरक्की देखकर उन्हें अमीर और महान समझें एक अच्छी पत्नी प्राप्त हो सके दान-दहेज समेत।

- तनु युग भरद्वाज

आज एक स्वर से यही कहते हैं

आज एक स्वर से यही कहते हैं चलो कुदरत को भी उसका हक देते हैं कुदरत ने जिस दिन मुह फेर लिया अपने प्यार का आँचल समेट लिया ज़िंदा इंसान भी न रह पायेगा चलो हालात से यही सीख लेते हैं। **शीखा लाहीरी**

अश्क़ दिल की जुबाँ हो गए राज़ ए दिल

अश्क़ दिल की जुबाँ हो गए राज़ ए दिल सब बयाँ हो गए। नींद रातों आती नहीं जब से गम रहनुमाँ हो गए। तेरी चाहत के किस्से सभी दर्द की दास्ताँ हो गए। ज़िंदगी की हकीकत यही बुलबुले से फ़नाँ हो गए। वक्त ने ढाए इतने सितम जर्जरित हम मकाँ हो गए। बिन हमारे गुजारा न था अब ÷तनुज÷ खामखाँ हो गए। **- सतीश मैथिल तनुज**

QUIZ TIME

1) भारत में आधुनिक बैंकिंग प्रणाली की नींव किसने डाली थी?
2) सर्वोच्च न्यायालय में अब तक कितनी महिला न्यायाधीशों की नियुक्ति हो चुकी है? (आठ / दस)
3) बीएमडी परीक्षण किस रोग की पहचान हेतु किया जाता है?
4) भारत में ताप उष्मीय विलवणीकरण सिद्वांत पर आधारित प्रतिदिन एक लाख लीटर अलवण जल उत्पादन के लिए प्रथम विलवणीकरण संयन्त्र कहाँ प्रारम्भ किया गया?
5) लेखक, कवि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक और जन संघ के पूर्व उपाध्यक्ष का नाम बताए?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) ईस्ट इंडिया कंपनी (2) आठ (3) ऑस्टियोपोरोसिस (4) कावारत्ती (लक्षद्वीप) (5) पी

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1526 - मुगल शासक बाबर, इब्राहिम लोदी को पराजित कर दिल्ली का बादशाह बना। 1662 - नीदरलैंड और फ्रांस ने सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किये। 1748 - मुगल शासक मुहम्मद शाह का दिल्ली में निधन। 1878 - कलकत्ता विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं की पात्रता को मंजूरी दी। 1941 - जर्मनी की सेना ने एथेंस (यूनान) पर कब्जा किया। 1942 - अमेरिका के ओकलाहोमा प्रांत में तूफान के कारण 100 लोगों की मौत 1960 - नयी दिल्ली में नेशनल डिफेंस कॉलेज की स्थापना। 1961 - अमेरिकी अंतरिक्ष केंद्र नासा ने गामा किरणों के अध्ययन के लिए पृथ्वी की कक्षा में उपग्रह एक्सप्लोरर 11 को स्थापित किया।

■ न्यूज गैलरी

अफगानिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों ने की सात लोगों की हत्या

कुंदूज (शिन्हुआ)। उत्तरी अफगानिस्तान के कुंदूज प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक परिवार के सात लोगों की हत्या कर दी है तथा दो अन्य लोग घायल हुए हैं। इमाम साहिब के जिला प्रमुख महबूबोल्ला सैयदी ने रविवार को बताया कि जिले में शनिवार सुबह कुछ हथियारबंद लोगों ने एक घर में घुसकर चार पुरुषों तथा दो महिलाओं की हत्या कर दी, जबकि एक किशोरी तथा दो अन्य लोग घायल हुए हैं। अधिकारी ने कहा कि अभी तक घटना की वजहों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

इटली में कोरोना से होने वाली मौतों में आयी कमी

रोम (वार्ता)। कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से बुरी तरह प्रभावित यूरोपीय देश इटली में शनिवार को छह सप्ताह में कोरोना से मरने वालों की संख्या में कमी आयी है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को यहां 415 मौत हुई हैं। देश के नागरिक सुरक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार को 420 लोगों की मौत हुयी थी और शनिवार को यह संख्या पांच घटकर 415 हो गई। इटली में इस वर्ष की शुरुआत में कोरोना वायरस महामारी फैलने के बाद से 26384 लोगों की मौत हो चुकी है। ताजा आंकड़ों के अनुसार पिछले दिनों की तुलना में संक्रमितों की संख्या घटकर 105847 हो गई है। देश में महामारी फैलने के बाद 10 मार्च को लॉकडाउन किया गया था। जिसे बाद में तीन मई तक बढ़ा दिया गया। कोरोना वायरस इमरजेंसी के आयुक्त डॉमेनिको अर्चुरी ने शनिवार को एक टेलीविजन प्रसारण में कहा कि देश में तीन मई को लॉकडाउन का अंतिम दिन हैं और इसके हटने के बाद हम सभी के व्यक्तिगत फैसलों और सहयोग से कोरोना की लडाई में मदद मिलेगी।

पाकिस्तान लौटे 460 लोग

इस्लामाबाद (वार्ता)। अफगानिस्तान में फंसे 460 पाकिस्तान तोरखम सीमा के रास्ते पाकिस्तान लौट आए हैं।

पाकिस्तान के डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार इसके साथ ही वतन लौटने वाले पाकिस्तानियों की संख्या 1632 हो गई है। पाकिस्तान के नागरिकों की स्वदेश वापसी के लिए काम कर रहे शमसुल इस्लाम ने बताया कि अभी और पाकिस्तानी तोरखम सीमा के रास्ते देश लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें सही जानकारी नहीं है कि अभी कितने लोग वहां फंसे हुए हैं। शमसुल ने बताया कि शनिवार को देश लौटे लोगों में 379 पुरुष, 47 महिलाएं तथा 60 बच्चे हैं।

उधर, खैबर के उपायुक्त द्वारा शनिवार को जारी किये गये बयान के अनुसार इससे पहले अफगानिस्तान से लौटे 1501 लोगों को जिले के विभिन्न क्वारंटीन केंद्रों में रखा गया है।

28 दिन में 2 हजार किलोमीटर पैदल चले, मुंबई से दरभंगा अपने घर पहुंचे

लॉकडाउन के बीच मुंबई से एक मजदूर किस तरह बिहार के दरभंगा में अपने घर पहुंचा इसका किस्सा सामने आया है। इस दौरान मजदूर हरबंश 28 दिन में 2 हजार किलोमीटर चले तब जाकर अपने घर पहुंच पाए।

नई दिल्ली। लॉकडाउन की जैसे ही घोषणा हुई तो इस बात की चिंता हुई कि अब कल से क्या खाउंगा। बिना कमाई कैसे जीवन कटेगा। रोजाना कमाता था और खाता था। उसे लगा कि अगर इसी तरह मुंबई में रह गया तो खाए बिना मर जाउंगा इसलिए यही सोचकर बिहार अपने गांव की ओर निकल गया। रास्ते में पुलिस वाले ने 200 रुपये खाने के लिए भी दिए। क्या दिन और क्या रात बिना थके लगातार चलता रहा। रास्ते में लोगों ने खिलाया और कभी पानी पीकर भी आगे बढ़ना पड़ा। इस दौरान पैर के तलवे फट गए लेकिन रुका नहीं। मुंबई से आते वक्त कुछ दूर तक तो ट्रेन मिली लेकिन चंद घंटों में ही ट्रेन से उतरा पड़ा क्योंकि ट्रेन रद्द हो गया था और फिर लगातार पैदल चलकर घर पहुंचा। दरभंगा के पंचोभ गांव के हरबंश की ये कहानी है जो मुंबई में श्रमिक का काम करते थे लेकिन कोरोना के कारण हुए लॉकडाउन ने उन्हें डरा दिया। फिर पैदल गांव जाने के सिवा उन्हें कुछ नहीं सूझा। कोरोना महामारी के कारण 24 अप्रैल को जैसे ही देशव्यापी लॉकडाउन की हरबंश को सूचना मिली उनके होश उड़ गए। पंचोभ पंचायत के मुखिया राजीव चौधरी

ने एनबीटी को बताया कि हरबंश रोजाना कमाते और खाते थे। वह गांव से मुंबई मजदूरी करने गए थे। लेकिन लॉकडाउन के बाद उनके सामने समस्या ये थी। हरबंश ने बताया कि अगर गांव नहीं आते तो मुंबई में खाने के बिना मर जाते। इसलिए लॉकडाउन की घोषणा होने के साथ ही 32 साल का यह शख्स मुंबई के रेलवे स्टेशन ओर भागा। वहां से जाने वाली एक ट्रेन में वह बैठ गए। ट्रेन कुछ दूर ही चली होगी कि उसे रद्द कर दिया गया। उसके बाद उन्होंने लगातार पैदल चलना शुरू किया। उनके साथ तीन और मजदूर साथी थे जो बिहार के ही थे। सभी ने ठान लिया कि पैदल ही अब गांव जाना है और मजबूरन पैदल चलना शुरू किया। लॉकडाउन का सबसे बुरा देश के गरीब तबके पर पड़ा है। रोज कमाकर खाने वाले दिहाड़ी मजदूरों पर लॉकडाउन का एक-एक दिन भारी पड़ रहा है। यूपी के गोरखपुर में ऐसे ही कुछ मजदूर काम की तलाश में बाहर निकल रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें कोई सरकारी मदद नहीं मिली, घर में रहकर क्या मिट्टी खाएं। देखिए ये वीडियो रिपोर्ट। हरबंश रास्ते में लोगों से बिहार जाने का रास्ता पूछते हुए आगे बढ़ते गए। इस दौरान रास्ते में पुलिस वाले भी मिले लेकिन किसी ने परेशान नहीं किया। बल्कि हरबंश ने बताया कि एक दयालू पुलिस वाले ने जब उनकी व्यथा सुनी तो रास्ते में खर्च के लिए 200 रुपये भी दिए।

केंद्रीय टीम ने पश्चिम बंगाल सरकार को लिखा पत्र, 'क्या हम सुरक्षा के लिए बीएसएफ लगाएं?'

कोरोना वायरस के खिलाफ जंग को लेकर केंद्र और ममता सरकार में तनातनी बढ़ती जा रही

पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार और केंद्र सरकार के बीच खींचतान लगातार बढ़ रही है। कोरोना वायरस को गंभीरता से न लेने का ममता सरकार पर आरोप लग रहा है। राज्य में पहुंची केंद्रीय टीम ने भी सरकार की तरफसे सपॉर्ट न करने का आरोप लगाया गया है।

कोलकाता। कोरोना वायरस के खिलाफ जंग को लेकर केंद्र और ममता सरकार में तनातनी बढ़ती जा रही है। इन दिनों केंद्रीय टीम कोविड-19 की स्थिति का आकलन करने पश्चिम बंगाल पहुंची है। टीम ने राज्य के मुख्य सचिव राजीव सिन्हा से पूछा है कि राज्य पुलिस का सहयोग नहीं है तो बीएसएफटीम की सुरक्षा व्यवस्था कर सकती है?

शनिवार को राज्य के मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में केंद्रीय टीम ने यह सवाल उठाया। टीम ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव पर केंद्र सरकार के आदेश के उल्लंघन का भी आरोप लगाया है। केंद्रीय टीम को अस्पतालों, क्वारंटाइन

सेंटरों और कंटेनमेंट जोन का दौरा करने के दौरान सुरक्षा देने का आदेश दिया गया था, लेकिन वह नहीं मिल रहा है। इधर केंद्रीय टीम की इस चिट्ठी का जवाब मुख्य सचिव ने नहीं दिया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस ने जवाब दिया। सांसद डेरेक ओर ब्रायन ने कहा, 'टीम का उद्देश्य क्या है? इसने उन जिलों का दौरा किया जहां कोई हॉटस्पॉट नहीं है। उनका असली उद्देश्य राजनीतिक वायरस फैलाना है। वे बेशर्मी से काम कर रहे हैं।'

केंद्रीय टीम ने लगाए आरोप

टीम को लीड कर रहे केंद्रीय अतिरिक्त सचिव अपूर्वा चंद्रा ने राजीव सिन्हा को पत्र लिखा था। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मुख्य सचिव को यह कहते हुए सुना गया कि टीम कहीं भी जाने को स्वतंत्र है, लेकिन वह अपना समय टीम के साथ बर्बाद नहीं कर सकते।

'आंकड़े छिपा रही ममता सरकार'

इन दिनों केंद्रीय टीम कोविड-19 की स्थिति का आकलन करने पश्चिम बंगाल पहुंची है। केंद्रीय मंत्री देबाश्री चौधरी सहित पश्चिम बंगाल के कई बीजेपी सदस्यों ने शनिवार को आरोप लगाया कि राज्य सरकार उन्हें लोगों की मदद करने से रोक रही है। इसके लिए सरकार ने उन लोगों को जबरन घर में क्वारंटाइन किया है। बीजेपी सांसदों ने टीएमसी सरकार पर कोरोना के आंकड़े छिपाने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी कहा है कि ममता सरकार कोरोना को गंभीरता से नहीं ले रही है और लॉकडाउन के नियमों का पालन नहीं करवा रही है।

यह गृह मंत्रालय के आदेश का उल्लंघन है।' वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चौधरी और पार्टी सांसद सुकांता मजुमदार ने आरोप लगाया कि उन्हें क्वारंटाइन रहने के नोटिस दिए गए हैं ताकि वे जरूरतमंदों को राहत सामग्री प्रदान करने के लिए बाहर कदम न रख सकें। बीजेपी विधायक सब्यसाची दत्ता ने आरोप लगाया कि राज्य में कोविड-19 पीड़ितों के शवों का गुप्त रूप से अंतिम संस्कार किया

- ■ **इन दिनों केंद्रीय टीम कोविड-19 की स्थिति का आकलन करने पश्चिम बंगाल पहुंची है**
- ■ **टीम ने पूछा, राज्य पुलिस का सहयोग नहीं है तो बीएसएफटीम की सुरक्षा व्यवस्था कर सकती है?**

दिल्ली में नहीं मिलेगी लॉकडाउन में ढील

रिहायशी इलाकों में इक्का-दुक्का दुकानें ही खुलेंगी: केजरीवाल

नई दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में लॉकडाउन में किसी तरह की ढील नहीं देने का ऐलान करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जो दिशानिर्देश जारी किये हैं उसी के अनुसार ही रिहायशी इलाकों में.इक्का-दुक्का दुकानों को खोलने की अनुमति दी जायेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मीडिया से कहा कि गृह मंत्रालय ने रिहायशी इलाकों की जिन इक्का-दुक्का दुकानों को खोलने की अनुमति दी है और दिल्ली सरकार केवल उनकी ही स्वीकृति देगी। नियंत्रण क्षेत्र में इनकी अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा लॉकडाउन की 27 अप्रैल को समीक्षा की है। दिल्ली में शापिंग माल और थोक बाजारों को खोलने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

श्री केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में पिछले कुछ समय से कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या घटी है और गत सप्ताह 622 मरीज आए। काफी संख्या में मरीज ठीक भी हुए हैं। मौंते भी कम हुई हैं। दिल्ली में कोरोना के 2625 मरीज हैं और 54 की मौत हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं एक-एक मरीज पर नजर रख रहे हैं। एक-एक व्यक्ति की जान कीमती है। कठिनाई का समय है और सबको मिलकर साथ चलने की जरुरत है तथा जिस मेहनत से कोरोना पर नियंत्रण में जो मदद मिली है उसको आगे भी बनाये रखना है।

उन्होंने कोरोना से ठीक हुए लोगों से प्लाज्मा दान करने की फिर अपील करते हुए कहा कि यह दूसरे संक्रमितों की जान बचाने में कारगर नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा एलएनजेपी में कोरोना से गंभीर मरीज को प्लाज्मा देने से उसकी हालत में सुधार हुआ है। इसे देखते हुए जो मरीज ठीक हुए हैं और वह प्लाज्मा देने के लिए आगे आए, जिससे अन्य का उपचार ठीक करने में मदद मिले।

सूमो का स्टेबल मास्टर और 5 रेसलर कोरोना से संक्रमित

टोक्यो (वार्ता)। जापान के पारम्परिक खेल सूमो पर कोरोना वायरस का कहर टूट पड़ा है और शनिवार को एक स्टेबलमास्ट्रर तथा पांच रेसलर के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। जापान की क्योदो न्यूज़ एजेंसी ने बताया कि स्टेबलमास्टर ताकदागावा कोरोना से पॉजिटिव पाए गए हैं और उनके स्टेबल का एक रेसलर भी कोरोना से संक्रमित पाया गया है। इसके अलावा चार और रेसलर भी कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। इस महीने के शुरू में एक सूमो रेसलर कोरोना से संक्रमित हुआ था। जापान में ओसाका एवेसा बास्केटबॉल क्लब के 15 में से 11 खिलाड़ी और आल जापान जूडो फेडरेशन के 39 स्टाफ सदस्यों में से 17 कोविड-19 से संक्रमित हुए हैं।

पिता के जोर देने पर स्पिनर बने चहल

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय टीम के प्रमुख लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल अपने स्कूली दिनों में मध्यम तेज गेंदबाज थे लेकिन अपने पिता के जोर देने पर वह लेग स्पिनर बने थे। चहल ने स्पाइसी पिच की ताजा कड़ी में अपने करियर को लेकर चर्चा करते हुए कहा, ÷मैं अपने स्कूली दिनों में मध्यम तेज गेंदबाज था लेकिन मेरी पतली काया देखकर मेरे पिता ने जोर दिया कि मैं लेग स्पिनर बनूं जिसमें मेरे लिए सफलता की सम्भावना ज्यादा थी। 29 वर्षीय चहल ने कहा, ÷देश के प्रमुख अंडर-19 टूर्नामेंट कूच बिहार ट्रॉफी के एक सत्र में मैंने सर्वाधिक विकेट हासिल किये थे। तब मुझे महसूस हुआ कि मेरे अंदर बेहतर बनने की प्रतिभा और क्षमता है। आयु वर्ग मैचों के बाद मैंने हरियाणा के लिए रणजी ट्रॉफी, 50 ओवर और टी-20 मैचों में शानदार प्रदर्शन किया, जिसके बाद

मेरा भारतीय टीम में चयन हुआ। चहल ने भारत के लिए जून 2016 में वनडे और टी-20 पदार्पण किया था। वह 52 वनडे में 91 विकेट और 42 टी-20 मैचों में 55 विकेट ले चुके हैं। चहल पिछले साल इंग्लैंड में हुए वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंची भारतीय टीम का हिस्सा थे। वर्ष 2009 में मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी पदार्पण करने वाले लेग स्पिनर ने कहा, ÷क्रिकेट मेरी जिंदगी है और आज मैं जो भी हूं वो इसी खेल की वजह से हूं। क्रिकेट ने ही मुझे नाम और पहचान दी है। क्रिकेट खेलने के बाद मैं हर एक-एक चीज़ को बहुत याद करूंगा। चहल के निजी कोच रणधीर सिंह ने उन्हें ही जीवन में अनुशासन लाने का श्रेय देते हुए कहा, ÷चहल की प्रतिभा और क्षमता उनको बाकियों से अलग बनाती हैं। चहल का शतरंज पृष्ठभूमि से आना उन्हें बहुत मदद करता हैं। चहल ने शतरंज में जूनियर स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है जिसका मतलब है कि वह दिमाग से तेज हैं। रणधीर ने कहा, ÷चहल की चतुराई और कार्यनीति बल्लेबाज को आउट करने में बहुत सहायता करती है। वह बेशक पतले हैं लेकिन गेंदबाज के तौर उनका दिल बहुत बड़ा है और जब बल्लेबाज उन पर हावी होने आता है तो वह घबराते नहीं हैं। कोच रणधीर ने कहा कि शतरंज खिलाड़ी से एक अंतराष्ट्रीय क्रिकेटर बन कर चहल ने एक लंबा सफर तय किया है।

कोरोना से शांति के लिए रवि किशन कर रहे हैं हवन

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के मेगास्टार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सासंद रवि किशन वैश्विक महामारी कोरोना से देश में शांति के लिए अपने घर पर हवन कर रहे हैं। रवि किशन ने देश को कोरोना से बचाने के लिए अपने मुंबई आवास पर हवन कर रहे हैं और ईश्वर से कामना कर रहे हैं कि जल्द से जल्द देश को कोरोना की विभीषिका से मुक्ति मिले। रवि किशन ने कुछ वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट की है। रवि किशन ने बताया कि भारतीय संस्कृति में हवन का महत्व अभूतपूर्व रहा है। यह वैज्ञानिक तरीके से भी वातावरण को स्वच्छ रखने में कारगर है। आज राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वारा भी हवन किया गया और आज अक्षय तृतिया भी है। आज के ही दिन महाभारत का युद्ध समाप्त हुआ था, अब यह महामारी खत्म हो और देश में कोरोना से शांति की मिले इसलिए यह हवन कर रहे हैं। रवि किशन ने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी अपने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि प्रकृति और विकृति से ऊपर, जब कोई संस्कारित-मन सोचता है या व्यवहार करता है तो हमें संस्कृति नजर आती है। जब कोई अपने हक की चीज़, अपनी मेहनत से कमाई चीज़, अपने लिए जरूरी चीज, कम हो या अधिक अपने हक के हिस्से को बांटा, वही तो संस्कृति है। और हवन हमारी संस्कृति का हिस्सा है। रवि किशन ने कहा कि कोरोना संकट से आज पूरा देश, देश का हर नागरिक, जन-जन इस लड़ाई का सिपाही है और लड़ाई का नेतृत्व कर रहा है। आज पूरा देश, एक लक्ष्य, एक दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है।

नसीहत | एक बहुत बड़ी युवा आबादी वाले देश के लिए यह अच्छा नहीं कोरोना का कहर

कोरोना के बाद विकास के लिए नए तरीके ढूंढने होंगे: राजन

- ■ **लॉकडाउन को धीरे-धीरे हटाकर इकॉनमी में जान फूंकने के लिए उपाय करने होंगे**
- ■ **राजन ने कोविड महामारी के बाद आर्थिक सुधारों पर भी दिया है जोर**
- ■ **उन्होंने कहा कि अगर ये सुधार नहीं किए गए तो हो जाएगी मुश्किल**

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी संकट पर भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि भारत को इससे बाहर निकलने तथा अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए नया तरीका ढूंढना होगा। राजन ने जीवन के साथ-साथ आजीविका बचाने के लिए आर्थिक गतिविधियों को धीरे-धीरे शुरू करने की बात कही।

'उल्लेखनीय सुधारों की आवश्यकता'

राजन ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के बाद का वक्त वित्तीय अस्थिरता और राजकोषीय संकट वाला नहीं होना चाहिए, जैसा कोरोना संकट शुरू होने के समय था। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि इसके लिए उल्लेखनीय सुधारों की आवश्यकता होगी और इन सुधारों पर हम किस तरह राजनीतिक एकमत कायम करते हैं, यह मूल सवाल होगा। राजन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ये सुधार नहीं किए गए तो भारत बेहद अप्रभावी तरीके से आगे बढ़ेगा और एक बहुत बड़ी युवा आबादी वाले देश के लिए यह अच्छा नहीं होगा।

लॉकडाउन हटाने पर कही यह बात

लॉकडाउन को हटाए जाने के बारे में राजन ने कहा कि भारत को इससे धीरे-धीरे बाहर निकलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिन जगहों पर संक्रमण सबसे कम है, वहां लॉकडाउन को पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ हटाया जा सकता है।

पैकेज को लेकर सजह रहना होगा'

सरकार की तरफसे पैकेज के बारे में रघुराम राजन ने चेताते हुए कहा कि इस बारे में लोगों को बेहद सजग रहना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि इससे करेंसी पर कोई असर न पड़े और ब्याज दरें नहीं बढ़ें। उन्होंने कहा कि कोई भी स्कीम बनाते समय सरकार को बेहद सावधानी बरतनी होगी। वहीं, अमेरिका-चीन के बीच कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर तनाव पर राजन ने कहा कि भारत ने इससे दूर रहने की दिशा में बेहतर काम किया है।

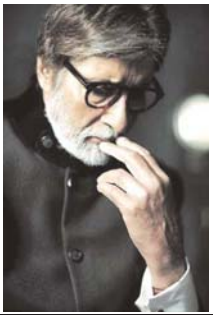

अमिताभ बच्चन के घर में घुसा चमगादड़

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपने घर में चमगादड़ के घुस जाने से अचंभित हैं। अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ लगातार जुड़े हुए हैं। वह लोगों को कोरोना से सुरक्षा के लिए जागरुक करते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि उनके कमरे के अंदर एक चमगादड़ घुस आया है।

अमिताभ ने सोशल मीडिया पर लिखा , ÷ देवियों और सज्जनों... इस घंटे की न्यूज... ब्रेकिंग न्यूज... क्या आप विश्वास करेंगे... एक चमगादर मेरे कमरे में घुस आया.. जलसा में.. तीसरे फ्लोर पर... मेरे घर में... बड़ी मुश्किल से उसे बाहर निकाला... कोरोना पीछा छोड़ ही नहीं रहा। गौरतलब है कि ऐसा माना जा रहा है कि कोरोना वायरस चमगादड़ से इंसानों में पहुंचा है। हालांकि इसका कोई साक्ष्य अब तक सामने नहीं आया है।

फर्जीवाड़ा में सीएमओ व इंजीनियर दोषी, कार्यवाही का इंतजार

■ नगर पालिका द्वारा सेनेटाइजर मशीनों की खरीदी में घोटाला सहित कई फर्जीवाड़ा सामने आना बाकी

नवप्रदेश संवाददाता

डोंगरगढ़ । एक ओर पूरा देश सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश कोविड-19 वायरस महामारी से लड़ रहा है । जिसके चलते इस भयंकर महामारी संकट बचाव के लिए संपूर्ण देश लॉक डाउन धारा 144 के दौर से गुजर रहा है । भीषण महामारी से देश सहित प्रदेश की अर्थव्यवस्था को ताक में रखकर प्रधानमंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आपदा राहत के तहत आम व खास लोगो से राहत कोष में अपना सहयोग करने की अपील किया गया है, देश प्रदेश के आम, खास सहित धार्मिक संस्थानों ने स्वेच्छानुसार दान आपदा की इस घडी में सहयोग देकर कोरोना महामारी से निपटने के लिए सरकार के साथ खड़े दिखाई दे रहे है । वहीं दूसरी ओर भीषण संकट काल इस दौर में कमीशनखोर अधिकारी संकट काल में भी जालसाजी कर अपने आदत स्वरूप फर्जीवाड़ा करने से बाज नहीं आ रहे है । ऐसे ही एक मामला धर्मनगरी डोंगरगढ़ के नगर पालिका परिषद दो अधिकारी भीषण महामारी संकट काल में भी शासन को चुना लगाने में पीछे नहीं रहा लेकिन मौका रहते मामला उजागर होने से दोनों अधिकारी के विरुद्ध जांच कर कारवाही होना बाकी है । नगर पालिका के तत्कालीन सीएमओ पूजा पिल्ले वर्तमान में पदस्थ इंजीनियर रितेश स्थापक ने शहर को सेनेटाइज करने के नाम पर स्पेयर मशीन जो मार्केट में महज 4 हजार रूपये में आसानी से मिलने मशीनों को 23 हजार रूपये बताकर फर्जीवाड़ा को अंजाम दिया, और निविदा समिति में दोनों अधिकारी रहे जबकि नियमानुसार समिति में सीएमओ के अलावा दो इंजिनियर सहित अकाउंटेंट को शामिल किया जाना था । नगर पालिका द्वारा गठित जांच कमेटी में तत्कालीन प्रभारी सीएमओ पूजा पिल्ले व इंजीनियर रितेश स्थापक को फर्जीवाड़ा में दोषी पाया है । ज्ञात हो की जिला में आसानी से मिलने वाली स्पेयर को अधर्व ट्रेडर्स बलौदा बाजार फर्म से खरीदी किया गया ताकि घपलेबाजी को अंजाम दे सके । 4 हजार रुपये कीमत वाली प्रत्येक मशीन की कीमत वाली तीन मशीन की खरीदी बताकर 69 हजार रूपये का फर्जी बिल लगाकर राशि डकारने की पूरी तैयारी थी, लेकिन नया सीएमओ के चार्ज लेने के चलते फर्जीवाड़ा मामला का भांडाफोड़ सामने आ गया ।

नवप्रदेश में प्रकाशित खबर

कोरोना संक्रमण से शहर को बचाने के नाम पर फर्जीवाड़ा का मामला उजागर

कार्यवाही का इंतजार

मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमशंकर देशलहरा ने फर्जी तौर पर सेनेटाइजर मशीनों की खरीदी में तत्कालीन सीएमओ पूजा पिल्ले व इंजीनियर रितेश स्थापक को दोषी पाए जाने की शिकायत जांच हेतु नगरीय प्रशासन विभाग, जिलाधीश सहित अनुविभागीय अधिकरी दिया गया है । जांच रिपोर्ट के आधार पर क्या कार्यवाही होती है इस बात का शहरवासियो इंतजार है ।

बैकयार्ड पोल्ट्री योजना के तहत 153 गरीब परिवारों को रंगीन चूजे वितरित

महासमुंद। बैकयार्ड पोल्ट्री वितरण योजना के अंतर्गत महासमुंद विकासखण्ड के आदिवासी बाहुल्य एवं सामान्य पिछड़े वर्ग के 36 ग्रामों में 153 गरीब परिवारों को मुर्गी के चूजे वितरित किए गए। पशुपालन विभाग के उपसंचालक ने बताया कि इस साल जिले के 800 गरीब परिवारों को इस योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्हे चूजों के लालन-पालन एवं देख-रेख संबंधी प्रशिक्षण भी दिया गया है। लगभग तीन हजार रुपए मूल्य प्रति इकाई के अंतर्गत 45 रंगीन चूजे चयनित हितग्राहियों अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति को 90 प्रतिशत एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग को 75 प्रतिशत तक अनुदान पर दिए गए। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में पशुधन विकास विभाग की अहम भूमिका है। विभाग द्वारा ग्रामीण आर्थिक विकास के लिए अत्यंत गरीब तबके के हितग्राहियों के लिए बैकयार्ड योजना अंतर्गत इस साल जिले के 800 हितग्राहियों का चुनाव किया गया है। योजना अंतर्गत 28 दिवसीय रंगीन 45 चूजे प्रत्येक हितग्राही को प्रदाय किया जाता है। उन्हे दिए गए चूजे देशी प्रजाति के हैं, जिन्हे विशेष देख-रेख की जरूरत नहीं होती। प्रत्येक हितग्राही को चूजे के साथ साथ कुक्कुट आहार भी प्रदाय किया जाता है। योजना के तहत प्रदाय किए जा रहे चूजे में 50 प्रतिशत नर एवं 50 प्रतिशत मादा है।

कोविड-19 के संदिग्ध मरीजों के परीक्षण के लिए राजनांदगाँव जिले को 952 रेपिड एंटीबॉडी टेस्ट किट मिले

राजनांदगांव। कोविड-19 के संदिग्ध मरीजों के परीक्षण के लिए राजनांदगाँव जिले को 952 रेपिड एंटीबॉडी टेस्ट किट प्रदान किया गया है। यह रेपिड एंटीबॉडी टेस्ट किट सैम्पल भेजने की स्क्रीनिंग है। यह किट निगरानी के लिए है। सर्दी, खाँसी एवं बुखार के ऐसे मरीज जिन्हें एक हफ्ते से अधिक समय हो गया हो, ऐसे मरीज का रेपिड एंटीबॉडी टेस्ट किट में पॉजिटिव आने पर उन्हें इलाज के लिए रायपुर भेजा जाएगा। निगेटिव होने पर नहीं भेजा जाएगा। उल्लेखनीय है कि एंटीबॉडी टेस्ट, आरटीपीसीआर टेस्ट का विकल्प नहीं है। आरटीपीसीआर टेस्ट (रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन पॉलीमिरास चेन रिएक्शन टेस्ट) आरएनए से संबंधित वायरस आनुवंशिक सामग्री का पता लगता है, जबकि एंटीबॉडी स्क्रीनिंग टेस्ट है। आरटीपीसीआर टेस्ट से कोरोना वायरस पॉजिटिव मरीज की पुष्टि होती है।

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं, करने एक्स-रे क्लीनिक एक लाख का जुर्माना

धमतरी। कोविद-19 के संभावित संक्रमण को रोकने के मद्देनजर प्रशासन द्वारा सोशल एवं फिजिकल डिस्टेंसिंग के नियमों का कड़ाई से पालन करने लगातार समझाइश दी जा रही है। इसी तारतम्य में स्थानीय रत्नाबांधा चैक पर स्थित एक निजी एक्स-रे क्लीनिक में लोगों की बेतरतीब भीड़ जुटने तथा सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का उल्लंघन करने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा संचालक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया तथा इसे गम्भीरता से लेते हुए एक लाख रूपए का अर्थदण्ड वसूला गया।

एसडीएम धमतरी श्री मनीष मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर रत्नाबांधा चैक के समीप स्थित उक्त क्लीनिक में भीड़ एकत्रित होने तथा सोशल व फिजिकल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन नहीं करने की शिकायतें मिलीं। कलेक्टर श्री रजत बंसल के निर्देशानुसार उक्त शिकायत पर फौरी तौर पर कार्रवाई करते हुए शुक्रवार 24 अप्रैल को सुबह 11.30 बजे राजस्व, स्वास्थ्य एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया। इस दौरान क्लिनिक के भीतर व बाहर काफी संख्या में लोगों का एकत्रित होना तथा नियमों का खुलेआम उल्लंघन होना पाया गया। इसे संज्ञान में लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं पर्यवेक्षी प्राधिकारी क्लिनिकल स्थापना, पंजीयन एवं लायसेंसिंग डॉ. डी.के. तुर्रे के द्वारा तत्संबंध में क्लिनिक के संचालक को नोटिस जारी कर एपिडेमिक डिसिजेज एक्ट-1897 के तहत छह बिंदुओं के आधार पर 24 घण्टे के भीतर जवाब मांगा गया।

युवती को प्रेमजाल मे फंसाकर किया दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तार

धमतरी। थाना सिटी कोतवाली धमतरी में पीड़िता ने लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि ग्राम भानपुरी निवासी ईशांत किरण उसे अपने प्रेम जाल में फंसा कर शादी करने का प्रलोभन देकर विगत 04 माह से लगातार शारीरिक संबंध बनाया लेकिन जब पीड़िता द्वारा उसके घर जाकर शादी करने की बात कहने पर ईशांत ने टाल-मटोल करते हुए शादी करने से मना कर अश्लील गाली गलौज कर उसे भगा दिया। प्रार्थिया की लिखित रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली धमतरी में धारा 376, 294 भादवि के तहत ईशांत किरण साहू के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। गंभीर अपराध की सूचना पुलिस अधीक्षक बी.पी. राजभानु को मिलने पर नामजद आरोपी की पता तलाश कर गिरफ्तार करने थाना प्रभारी सिटी कोतवाली भावेश गौतम को निर्देशित किया गया, जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अरुण जोशी के मार्गदर्शन में थाना सिटी कोतवाली पुलिस के द्वारा आरोपी इशांत किरण की लगातार उसके सकुनत एवं हर संभावित स्थानों में पता तलाश की जा रही थी, किंतु आरोपी ईशांत किरण अपराध कायमी के बाद से फरार होकर लुक छिप रहा था । इसी दरमियान आरोपी के अपने घर में आने की सूचना मिलने पर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी ने सहायक उपनिरीक्षक संतोषी नेताम व अन्य स्टाफ के साथ थाना अर्जुनी अंतर्गत आरोपी के सकुनत ग्राम भानपुरी में दबिश दिए, जहां पर आरोपी इशांत किरण उर्फ इशु साहू उम्र 22 वर्ष अपने निवास पर छिपा मिला।

कोरोना के संक्रमण से बचाने समूह की महिलाएं बना रहीं मास्क

महासमुंद। कलेक्टर के निर्देश पर कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम के लिए जिला प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है। जिले में भी कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने में प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को संक्रमण से बचाया जा सकें। जिला पंचायत महासमुंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम एवं संक्रमण से बचाव के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अन्तर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बने महिला स्व सहायता समूह को सक्रियता के साथ ग्रामीणजनों को जागरूक करने की जिम्मेदारी सौंपी हैं, जो नियमित रूप से गांव में इस काम को बखूबी अंजाम दे रही हैं। डॉ मित्तल के मार्गदर्शन में विकासखंड महासमुंद, बागबाहरा, पिथौरा, बसना और सरायपाली से ऐसे समूह सदस्य जो सिलाई का कार्य जानती हैं, उनसे मास्क की सिलाई करने का कार्य कराया जा रहा है। उनके द्वारा निर्मित मास्क का विक्रय स्वास्थ्य विभाग, ग्राम पंचायत, लोकल मार्केट और व्यक्तिगत किया जा रहा है।

नगरपालिक निगम द्वारा मिट्टी के घड़े, गुड्डे-गुड़िया की घर पहुंच सेवा की गई प्रारंभ

धमतरी। कलेक्टर रजत बंसल के कुशल मार्गदर्शन में नगरपालिक निगम धमतरी द्वारा अक्षय तृतीया एवं लॉकडाउन के दौरान गर्मियों में कुम्हारों की आजीविका की सुरक्षा के लिए सुविधा मुहैय्या कराई गई है। इसके तहत कुम्हारों द्वारा निर्मित मिट्टी के घड़े, गुड्डे-गुड़ियां, सकोरा इत्यादि की ग्राहकों के घर पहुंच सेवा शुरू की गई है। ज्ञात हो कि इन सामग्रियों के पहुंच के लिए विशेष रूप से निःशुल्क वाहनों की व्यवस्था की गई है, जिससे कुम्हार अपने उत्पाद को रखकर घर-घर ले जा कर बेच सकते हैं। मिली जानकारी के मुताबिक पिछले दो दिनों में ही कुल 13 कुम्हारों ने 8437 रुपए के सामानों की बिक्री होम डिलीवरी के माध्यम से की है।

कोटा से आने वाले बच्चों को 14 दिन रखा जाएगा क्वारेंटाइन सेंटर में

राजनांदगांव। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य ने जिला पंचायत सभाकक्ष में कोटा (राजस्थान) से आने वाले छात्रों को क्वारेंटाइन में रखने की व्यवस्था के तैयारी संबंध में स्कूल संचालकों की बैठक ली। श्री मौर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार कोटा (राजस्थान) में अध्ययनरत छत्तीसगढ़ के बच्चों को वापस लाया जा रहा है। जिसमें लगभग 400 बच्चों को राजनांदगांव जिले में 14 दिन के लिए क्वारेंटाईन सेन्टर में रखा जाना है। इसके लिए जिले के चार स्कूलों को चिन्हित किया गया है। जिले के दिल्ली पब्लिक स्कूल, युगान्तर पब्लिक स्कूल, संस्कार सिटी स्कूल और जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ को क्वारेंटाइन सेन्टर बनाया गया है। छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग क्वारेंटाइन सेन्टर बनाया गया है

गांव-गांव पहुंच रहा अन्नपूर्णा रथ में ग्रामीण आगे आकर कर रहे दान

लवन। लॉक डाउन के चलते प्रतिदिन रोजी मजदूरी कर कमाने खाने वाले लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए और लाक डाउन में फंसे जरूरतमंद लोगों को राशन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही अन्नपूर्णा रथ डोनेशन वेन को गांव गांव भेज कर जनप्रतिनिधियों के साथ साथ ग्रामीणों से दान लिया जा रहा है और ग्रामीण भी आगे आकर इस संकट की घड़ी में शासन प्रशासन की अपील पर खुले हाथ से दान कर रहे हैं। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत बरदा पहुंचने पर अन्नपूर्णा रथ डोनेशन वेन को सरपंच अनिल कुमार खुटे के द्वारा 80 किलो चावल एक कट्टा दाल एक कट्टा साबुन नवा विहान समूह द्वारा एक हज़ार रुपये 50 किलो चावल स्वस्थ भारत स्वस्थ सहायता समूह द्वारा 11 सौ रुपए 25 किलो चावल 2 किलो दाल 1 किलो आलू महिला कमांडो द्वारा 1हज़ार रुपये 40 किलो चावल ग्राम समूह द्वारा सब्जियां नारी जन जागृति महिला एवं सहायता समूह द्वारा सौ रूपये 2 किलो आलू 10 किलो चावल सहायता सहायता समूह द्वारा 70रुपये और14 किलो चावल वार्ड क्रमांक 4 द्वारा 20 किलो चावल विकास संगठन द्वारा 500 रुपये जय मां काली स्व सहायता समूह द्वारा 500रुपये जय मां दुर्गा स्व सहायता समूह द्वारा 501 रुपये नारी शक्ति समूह 670 रुपये 15 किलो चावल सहित कुल 65 सौ रुपये और 2 क्विंटल 50 किलो चावल अन्नपूर्णा रथ डोनेशन वेन को दान किया गया ।

नवीन सिंचाई योजनाओं का निर्माण तथा पुरानी सिंचाई योजनाओं का जीर्णोद्धार

महासमुंद। जिले में कुल कृषि योग्य भूमि लगभग 2 लाख 67 हजार 593 हेक्टेयर है। जल संसाधन विभाग द्वारा जिले के अधिकतम कृषि भूमि को सिंचित करने के लिए लगातार समग्र कार्य योजना बनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है। जल संसाधन संभाग महासमुंद के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि जिले में एक वृहद कोडार जलाशय परियोजना, दो मध्यम जलाशय परियोजना इसमें केशवा जलाशय एवं अपर जोंक परियोजना तथा 125 लघु जलाशयों का निर्माण कर 65 हजार 892 हेक्टेयर रूपांकित सिंचाई के विरूद्ध 65 हजार 722 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता निर्मित किया जा चुका है। जिससे जिले की सिंचाई क्षमता में लगभग 25 प्रतिशत हो चुकी है। निर्मित सिंचाई योजनाओं से जल भराव उपलब्धता के अनुसार खरीफ एवं रबी सिंचाई तथा ग्रीष्म ऋतु में तालाबों को निस्तारी के लिए प्रति वर्ष जल प्रदाय किया जा रहा है। सिंचाई क्षमता की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए नवीन सिंचाई योजनाओं का निर्माण तथा पुरानी सिंचाई योजनाओं से रूपांकित क्षमता से कम हो रही सिंचाई की प्रतिपूर्ति हेतु जीर्णोद्धार एवं नहरों के लाईनिंग कार्य किया जा रहा हैं, नहर परिचालन में जल क्षति को न्यूनतम कर अधिकतम क्षेत्र में सिंचाई सुविधा प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा सतत् प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जल संसाधन विभाग द्वारा जिले में एक वृहद, दो मध्यम एवं 125 लघु सिंचाई योजनाओं का निर्माण कर कुल 65 हजार 722 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का सृजन किया जा चुका है। इसके अलावा संभागाधीन 19 सिंचाई योजनाएं निर्माणाधीन है। इन योजनाओं के पूर्ण होने से सिंचाई क्षमता में 8563 हेक्टेयर की वृद्धि होगी।

धनगांव में काम शुरू होने से मजदूरों में खुशी की लहर, मास्क पहनकर सोशल डिस्टेंस के तहत कर रहे हैं काम

लवन। जनपद पंचायत बलौदाबाजार बाजार क्षेत्र अंतर्गत के कुछ ग्राम पंचायतों को छोड़कर प्रायः सभी ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत कार्य जारी है। जिला कलेक्टर कार्तिकेय गोयल जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशुतोष पांडेय के मार्गदर्शन में कार्य संचालित हो रहे हैं। लॉक डाउन के दौरान गांव में संचालित मनरेगा कार्य से ग्रामीण काफी राहत महसूस कर रहे हैं । ग्राम पंचायत धनगांव में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत नया पैठी तालाब निर्माण के लिए 9 लाख 87 हजार रुपये कि तकनिकी स्वीकृति हुई हैं । जिसमें 200 मजदूर सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखकर मास्क लगाकर काम कर रहे हैं । 40 दिन की लंबी लॉक डाउन के चलते ग्रामीण मजदूर काम के अभाव में परेशान थे जो मनरेगा के तहत कार्य प्रारंभ हो जाने से गांव के मजदूरों को अब गांव में ही काम मिल रहा है जिससे मजदूर खुश हैं ।

मुख्यमंत्री जिला राहत कोष में 64 हजार 311 रूपए की सहायता राशि प्राप्त

राजनांदगांव। नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) से प्रभावितों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री जिला राहत कोष में 25 अप्रैल 2020 को 64 हजार 311 रूपए की सहायता राशि प्राप्त हुई है। जिसमें सुरेन्द्र कुमार साहू उच्च वर्ग शिक्षक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पेण्ड्री सुकुलदैहान डोंगरगढ़ द्वारा 50 हजार रूपए, रामकिसुन साहू ग्राम बीजाभाठा डोंगरगांव द्वारा 9 हजार 200 रूपए एवं चमन राम नायक सेवा निवृत्त शिक्षक ग्राम बड़गांव (गोडलवाही) छुरिया द्वारा 5 हजार 111 रूपए का चेक प्राप्त हुए है।

मजदूरों को महीनों से भुगतान अप्राप्त, ज्ञापन

महासमुंद। भाजपा नेता व पूर्व विधायक डॉ विमल चोपड़ा ने मजदूर प्रतिनिधियों के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर की अनुपस्थिति में एडीएम पाण्डेय को ज्ञापन सौंपा और धान संग्रहण केंद्र

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नव प्रदेश की खबर का...

से समाचार प्रकाशित किया था। नवोदय विद्यालय समिति के डिप्टी कमिश्नर पीएस सरदार ने बताया कि देशभर के नवोदय विद्यालयों में फंसे बच्चों को ट्रेन से उनके गंतव्य तक भेजने के लिए 5-7 रूट का प्रपोजल समिति की ओर से मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से रेलवे व पीएमओ को भेजा जा चुका है। लेकिन करीब 3-4 दिन बीत जाने के बावजूद भी रविवार तक की स्थिति में यह स्वीकार नहीं किया गया है। इसलिए अब राज्य सरकारों को ही आगे आना होगा। सरदार ने कहा कि कलेक्टर नवोदय विद्यालयों के चेयरमैन होते हैं। इसलिए संभावना इस बात की ज्यादा है कि उन्हें ही संबंधित विद्यालयों से बच्चों को भेजने व लाने के लिए बसों की व्यवस्था करनी होगी। राज्य सरकार को संबंधित कलेक्टरों को इसकी अनुमति देनी चाहिए। बसों का खर्च नवोदय विद्यालय समिति उठाएगी।

कोटा से छात्रों की...

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बघेल के निर्देश पर 24 अप्रैल की शाम राजधानी रायपुर से राजस्थान के कोटा में लॉकडाउन के दौरान फंसे छात्र-छात्राओं को लाने कुल 97 बसों को रवाना किया गया। इसमें 95 बस छात्रों को लाने के लिए तथा 2 बसों में डॉक्टर और चिकित्सा दल के सदस्य गए हैं। कोटा में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को वापस छत्तीसगढ़ लाने के लिए बस्तर संभाग के लिए 6, सरगुजा संभाग के लिए 24, रायपुर संभाग के लिए 16, दुर्ग संभाग के लिए 14, बिलासपुर संभाग के लिए 28 बसों की व्यवस्था की गई है।

लॉकडाउन खत्म होगा...

से अवगत कराते हुए राज्य में लॉकडाउन में कुछ और रियायत देने का प्रस्ताव दे सकते हैं। वहीं सूत्रों का कहना है कि पीएम मोदी बैठक में सभी राज्यों की स्थिति की जानकारी लेंगे और वर्तमान परिस्थितियों की समीक्षा करेंगे। चूंकि देश में जारी लॉकडाउन की अवधि 3 मई को समाप्त हो रही है। इसके पूर्व रणनीति बनाने और परिस्थितियों के आंकलन-विश्लेषण के लिए केन्द्र सरकार के लिए यह जानना जरूरी है कि किस राज्य में क्या स्थिति है।

कोरबा में दो ट्रेलर...

भी मौके पर पहुंची और आग बुझाने एवं राहत का कार्य स्थानीय लोगों की मदद से प्रारम्भ कराया गया। इस दुर्घटना और उसके बाद दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर में लगी आग की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड वहां पहुंची और उसने किसी तरह जल रही ट्रेलर की आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि फायर ब्रिगेड को काफी देर बाद अपने प्रयास में सफलता मिली और आग बुझाई जा सकी। लेकिन तब तक एक ट्रेलर का चालक अपनी ड्राइविंग सीट पर ही जलकर राख हो गया।

पर्यटन के साथ स्थानीय...

पर्यटन स्थलों में पर्यटकों के ठहरने की सुविधा नहीं होने की वजह से पर्यटन क्षेत्र का समुचित विकास नहीं हो पा रहा है और स्थानीय लोगों को आर्थिक लाभ नहीं मिल पा रहा है। यदि पर्यटकों को ठहरने एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी तो यहां पर्यटन सहित आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी और स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। बैठक में गृह एवं पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू, कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, मुख्य सचिव आरपी मण्डल, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, अपर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, प्रमुख सचिव मनोज कुमार पिंगुआ और पर्यटन विभाग के सचिव अंबलगन पी. सहित अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

पथ को लेकर मुख्यमंत्री दिए ये निर्देश

- राम वन गमन पथ में शामिल स्थलों में जहां पक्के स्ट्रक्चर नहीं हैं, वहां पीपीपी मॉडल पर टेंट की व्यवस्था की जानी चाहिए।

-सभी स्थलों पर सघन वृक्षारोपण किया जाए।

- सप्त ऋषि आश्रम, राजिम के लोमश ऋषि आश्रम में यज्ञशाला, योगा और मेडिटेशन सेंटर व प्रवचन केन्द्र विकसित किए जाएं।

-लोमश ऋषि आश्रम के समीप एक धर्मशाला का निर्माण किया जाए।

-कांसेप्ट प्लान के अनुसार पर्यटन विभाग, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, जल संसाधन विभाग को कार्यो की जिम्मेदारी देकर योजना तैयार कराई जाए।

- संबंधित जिला कलेक्टर के समन्वय में कार्य कराए जाएं।

-पथ में विकसित किए जा रहे स्थलों के सौंदर्यीकरण के दौरान सभी स्थलों में कराए जाने वाले कार्यो में एकरूपता हो।

- स्थलों के आसपास दुकानों को व्यवस्थित करें और उन्हें कुटिया के स्वरूप में विकसित कराएं।

-जहां नदी है वहां रिवर फ्रंट विकसित करने और तुरतुरिया आश्रम को इको टूरिज्म स्पॉट के रूप में विकसित करने का सुझाव भी दिया।

कोरोना से डरने की...

कर रहे थे। एक कहानी सुनाते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि सफलता और असफलता के बीच तीन फीट का अंतर है। इसलिए बिना थके प्रयास लगातार करने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने जिन दवाइयों के निर्यात पर पाबंदी लगाई थी उसे भी दुनिया की भलाई के लिए खुद थोड़ा नुकसान उठाकर भी उन्हें दूसरे देशों को भेजी है। यह भारत का स्वभाव है। संघ प्रमुख ने कहा कि हम खुद चिंता करें कि हम काम करने लायक रहें। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, मास्क लगाएं, आयुष मंत्रालय ने जो काढ़ा बताया है वैसा पिएं।

समाज से दूरी बनाना...

उन्हें अपने लोगों को इससे बचाना चाहिए। अगर कोई डर या क्रोध से कुछ उलटा-सीधा कर देता है तो सारे समूह को उसमें लपेटकर उससे दूरी बनाना ठीक नहीं है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, कबीरधाम (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना संशोधन क्रमांक 01

इस कार्यालय के निविदा सूचना क्रमांक 102, 103 एवं 104 दिनांक 13.02.2020 पूर्व जी. क्रमांक 80002 दिनांक 03.04.2020 के तिथियों में कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन होने के कारण निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :-

संशोधन समय सारणी

1.1	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय	17.04.2020 सायं 5.30 बजे तक	04.05.2020 सायं 5.30 बजे तक
1.2	निविदा प्रपत्र विक्रय करने की अंतिम तिथि एवं समय	20.04.2020 सायं 5.30 बजे तक	05.05.2020 सायं 5.30 बजे तक
1.3	निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय (स्पीड पोस्ट के माध्यम से)	23.04.2020 सायं 5.30 बजे तक	08.05.2020 सायं 3.30 बजे तक
1.3	निविदा खुलने की तिथि एवं समय	24.04.2020 सायं 5.30 बजे तक	08.05.2020 सायं 3.30 बजे से

शेष नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगे।

जी-80247/3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
कबीरधाम (छ.ग.)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

कोरोना के कहर से दुकानों मे लटका ताला, आर्थिक मंदी से जुझ रहा बाजार

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। मानव समाज के लिए खतरा बनकर सामने आए कोरोना वायरस ने पूरे विश्व मे फैल गया है। हालात यह हो गया है कि खास से लेकर आम तक घरो मे कैद हो गए है। तालाबंदी की चपेट मे बडे उद्योगो से लेकर भगवान के मंदिर, मस्जिद और चर्च भी आ गए है। कोरोना वायरस का खौफ ने तय संस्कारो को भी प्रभावित कर दिया है। मंगलकार्यो मे भी अब पूरी तरह से पांबदी लगते दिख रहा है। कई घरो मे तो शादी की तारिख भी आगे बढा दी है। फिलहाल बहुत से ऐसे लोग है। जो लॉकडाउन खुलने का इंतजार कर रहे है। ज्ञात हो कि कोरोना वायरस दिनो-दिन

पैर पसारते जा रहा है। वायरस के फैलाव को रोकने के लिए 40 दिन का लॉकडाउन लागू है। लॉकडाउन से सामाजिक, आर्थिक, व्यापारिक के साथ धार्मिक गतिविधियां ठप हो गई है।

न सहनाई न नेवता

रामनवमी के साथ ही महत्वपूर्ण संस्कारो में शामिल विवाह कार्यक्रम शुरू हो जाता है। अक्षय तृतीया को बेहद शुभ मुहूर्त होने के कारण बहुसंख्यक में विवाह इसी दिन होता है। लेकिन इस बार अक्षय तृतीया भी कोरोना वायरस के चलते फीकी नजर आई। कोरोना संकट के चलते शहर से गांव तक वैवाहिक गतिविधियों पर भी विराम लगा हुआ है। न तो कही से गाजे-बाजे सुनाई दे रहे है और न खुशी से थिरकते बाराती दिख रहे है।

दुकानदारी हुआ प्रभावित

खेती-किसानी का सीजन खत्म होने के साथ ही सराफा, कपडा, किराना, इलेक्ट्रानिक फर्नीचर आदि दुकान के संचालक माल का स्टॉक करने और बेचने की तैयारी मे जुट जाते है किंतु वर्तमान मे सभी दुकानो मे ताला लटका हुआ है।

संकट मे व्यवसायी

बडे दुकानदारो के साथ ही शादी ब्याह के सीजन का कुंभकारो, बंसोडो, नाई, ब्यूटी पार्लर, केटरर्स, बैंड, धुमाल संचालक, टेलर आदि को भी काफी इंतजार रहता है, क्योंकि यही वह मौका रहता है। जब वह अच्छी खासी कमाई कर लेते है, पर इस साल सभी हाथ पर हाथ धरे बैठे है।

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री की दुरदर्शिता, सजगता से छत्तीसगढ कोरोना मुक्त : नीरज ढाकुर

मैनपुर । इन दिनों जिला पंचायत गरियाबदं के अध्यक्ष श्रीमती स्मृति ठाकुर लगातार क्षेत्र के गांव गांव पहुचकर

जंहा ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुन रही है वही समस्याओं के निराकरण के लिए पुरी सजगता के साथ कार्य कर रही है, लॉक डाउन के बावजूद सुबह से क्षेत्र के दौरे पर प्रतिदिन निकल रही है और सबसे पहले शासन के द्वारा विभिन्न ग्राम पंचायतो में चल रहे मनरेगा योजना के कार्यो का निरीक्षण कर ग्रामों में पहुचकर लोगो को इस गंभीर कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम के लिए से शासन के निर्देशों का पालन करने की अपील ग्रामीणों से कर रही है। जरूरतमंद लोगो को शासन की योजनाओं का लाभ भी दिला रही है ग्रामो में मास्क का वितरण करवा रही है साथ ही ग्रामीणों से कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम के लिए छत्तीसगढ सरकार के द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए ग्रामीणों को घरों से नही निकलने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील कर रही है जिन ग्रामीणों के पास राशन कार्ड नही है उनका राशन कार्ड भी तत्काल बनवा रही है।

ग्रामीणों के सहयोग से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अर्जुनी ने प्रधानमंत्री कोष में 9000 रुपये जमा किए

अर्जुनी। कोरोना वैश्विक महामारी के चलते एक ओर जहां पुरे देश मे लाकडाउन है। जिसके चलते गाँव के लोग भी हमारे प्रधानमंत्री के साथ कोरोना महामारी से लड़ने के लिये सरकार के दिशा निर्देशो का पालन कर रहे है। ऐसे विकट परिस्थिति मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अर्जुनी शाखा के स्वयंसेवको द्वारा - देश हमे देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखे के भाव लेकर पुरे गाँव से कोरोना लॉक डाउन से प्रभावित परिवारों के लिये राशि एकत्रित किया साथ ही 9000 रुपये प्रधानमंत्री सहायता कोष फमे जमा कराया गया।

पारंपरिक ढंग से मनाया गया अक्षय तृतीया

बालोद। कोरोना संक्रमण और लाकडाउन ने भले ही आम जनजीवन की रफ़्तार रोक दी हो पर अक्षय तृतीया

के दिन गुड्डे-गुड़ियों की शादी करने की परंपरा को रोक नही पाई। लाकडाउन का पालन करते हुवे अक्षय तृतीया का पर्व जिले में घरों में रहकर पारंपरिक ढंग से मनाया गया। जगह-जगह बालिकाओं ने गुड्डे और गुड़ियों की शादी रचाई। ऐसे ही शहर बालोद के उत्तमचंद जैन के परिवार ने अक्षय तृतीया की प्राचीन परंपरा को कायम रखते हुवे घर मे परिवारजनों के साथ गुड्डे-गुड़ियों की शादी कराकर पर्व मनाया। इस अवसर पर उनकी पत्नी श्रीमती लक्ष्मीदेवी जैन ने बताया कि, सभी त?योहारों का रंग लाकडाउन के चलते फीका पड़ता जा रहा है। पहले नवरात्र, हनुमान जयंती, बैसाखी और अब अक्षय तृतीया। लेकिन हमने ऐसा नही होने दिया और घर में ही पूजा करके संयम के साथ ये सभी त्योहार मना रहे है।

कोरोना कंट्रोल रूम से गायब अफसर को नोटिस

भाटापारा । भाटापारा विधानसभा क्षेत्र के जनपद पंचायत सिमगा में स्थापित कोरोना कण्ट्रोल रूम में डयूटी के दौरान नदारद तकनीकी सहायक डागेश्वर देवांगन को शो कॉज नोटिस जारी की गई है। जनपद पंचायत सिमगा के सीईओ रूपेश कुमार पाण्डेय ने नोटिस जारी कर उन्हें समक्ष में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने कहा है। गौरतलब है कि तकनीकी सहायक देवांगन की कण्ट्रोल रूम में शनिवार 25 अप्रैल को रात 8 बजे से सवेरे 6 बजे तक ड्यूटी लगाई गई थी। इस अवधि में वे नदारद पाये गये। इसी दौरान प्रवासी श्रमिकों का एक जत्था अचानक आ पहुंचा। उनके इंतज़ाम के लिए कण्ट्रोल रूम से सम्पर्क किया गया। श्री देवांगन की काफी खोजबीन की गई, फिर भी कोई सुराग नहीं मिल पाया। जिसके कारण श्रमिकों की व्यवस्था करने में काफी परेशानी हुई। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन ने कोरोना संकट में फंसे जरूरतमंद श्रमिकों का इंतज़ाम करने के लिये जनपद पंचायत सिमगा को अपने क्षेत्र में जवाबदारी सौंपी है। बावजूद इसके इस महत्वपूर्ण काम में श्री देवांगन की लापरवाही जिला प्रशासन के निर्देशों की घोर अवलेहना है।

राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची कवर्धा के व्यापारियों की बात

- **कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कवर्धा के व्यापारियों से चर्चा कर उनके शंकाओं का किया समाधान**

कवर्धा। भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक संगठन कैट (कंडरेशन ऑफ इंडिया ट्रेडर्स) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रदेश समिति ने कवर्धा के व्यापारियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा मीटिंग ली। मीटिंग प्रभारी, एजेंसी एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं कैट के कार्यवाहक आकाश आहूजा ने सभी का अभिवादन एवं परिचय से मीटिंग की शुरुआत की।

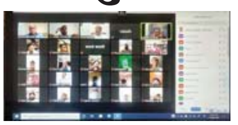

मीटिंग को संबोधित करते हुए कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर परवानी ने लॉकडाउन पर व्यापारियों की सकारात्मक भूमिका, लॉकडाउन के दौरान आई परेशानियों को दूर करने के लिए कैट की भूमिका और लॉकडाउन समय और लॉकडाउन के बाद व्यापारियों को ध्यान में रखने वाले विषयों से अवगत कराया। उन्होंने कवर्धा के व्यापारियों के प्रश्नों और शंकाओ का समाधान भी किया। उन्होंने लॉकडाउन में आ रही व्यापारियों की परेशानियों को लेकर कैट के द्वारा केंद्र और राज्य सरकार से की गई मांगों को भी विस्तार से बताया। जिसमें कर्मचारियो की सैलरी, बैंक का ब्याज, दुकान मकान का किराया, ऐसे कई आर्थिक मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया गया है।

मीटिंग में इन ट्रेड के प्रमुखों ने लिया हिस्सा

मीटिग में कवर्धा के सभी ट्रेड, सायकल संघ, कपड़ा व्यापारी संघ, बर्तन संघ, इलेक्ट्रॉनिक संघ, मोबाइल यूनियन, एजेंसी एसोसिएशन, जनरल व्यापारी संघ, आई टी यूनियन, हार्डवेयर संघ, आरा मिल संघ, स्टेशनरी संघ, जूता व्यापारी संघ, समेत सभी ट्रेड के प्रमुखों ने हिस्सा लिया।

आकाश आहूजा ने कहा कि किसी भी अफवाहों और अन्य जिले या राज्य के आदेश, यहाँ तक कि केंद्र के आदेश को अपने जिले में मानकर कोई भी कदम ना उठाएं। जब तक कि जिला प्रशासन के द्वारा अधि.त आदेश जारी ना हो जाए। क्योंकि प्रत्येक जिले की स्थिति, परिस्थिति को देखकर ही शासन प्रशासन द्वारा कदम उठाए जा रहे हैं।

दूसरे राज्य से लौटे 299 लोगों को घर पर रहने दी हिदायत

देवभोग। पलायन और अन्य कार्य कर निपटा कर दूसरे राज्य से लौटे 299 लोगों को घर पर रहने की हिदायत देते हुए अधिकारियों द्वारा सख्त निगरानी बनाए रखा है! बकायदा कोविड-19 के लिए जनपद कार्यालय मैं कंट्रोल रूम बनाकर पल-पल की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को ऑनलाइन भेजा जा रहा है उल्लेखनीय की उड़ीसा, आंध्रप्रदेश, गोवा, हैदराबाद तेलंगाना, सहित अन्य राज्य से लौटे 299 लोगों घर पर रहने की हिदायत दिया गया है इसके साथ अपनी नजर भी रखा है और ग्राम पंचायत सचिवों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है! दूसरे राज्य से लौटे लोगों को सर्दी खांसी से लेकर

हल्की बुखार होने की जानकारी मुख्यालय के कंट्रोल रूम पर दिये जाने के लिए कहा गया है ताकि आगे की जांच पड़ताल समय रहते क्या जाए हालांकि अब तक 299 लोगों में किसी प्रकार की लक्षण देखने को नहीं मिला है जो सबसे राहत की बात है फिर भी कोविड-19 को मदेनजर रखते हुए उन्हें होमकोऑर्डिनेटर क्या गया है! बकायदा पंचायत सचिवों को उनका दायित्व भी सौंपा गया है! किसी प्रकार की तबीयत खराब होने की स्थिति मैं कंट्रोल रूम पर सूचना देने के लिए कहा गया है! इसके लिए कंट्रोल रूम पर अलग-अलग समय पर प्रभारी नियुक्त भी किया गया है! इसके अलावा उड़ीसा को जोड़ने वाला हर मार्ग को पूरी तरह बंद कर दिया है ताकि एक दूसरे राज्य के लोग आना जाना नहीं कर पाए बकायदा दोनों राज्य की पुलिस जवानों को भी सीमावर्ती क्षेत्र में तैनात किया गया है साथ ही सीमावर्ती क्षेत्र की पंचायतों मैं भी काफी सतर्कता बरती जा रही है! गांव के मार्ग पर अस्थाई बैरीगेट्स लगाया गया है! और आवागमन करने वालों की पूछताछ हो रही है! सबसे अच्छी पहल मुंगझर पंचायत में देखने को मिल रहा है! इस पंचायत में घुसने वाले मार्ग को बांस का बेरीगेटस लगाया गया है।

नगर पालिका ने बांटा पत्रकारों को सुरक्षा कीट

गरियाबंद। कोरोना संक्रमण के दौरान आम लोगो के बीच हर छोटी बड़ी खबर पहुचाने वाले पत्रकारो को शनिवार को नगर पालिका परिवार द्वारा सुरक्षा कीट का वितरण किया। नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फुमेमन ने पार्षदो व एल्डरमेन की मौजुदगी में ये कीट पत्रकारो की बांटी। इस अवसर पर अध्यक्ष गफ्फु मेमन ने कहा कि संकट के समय में भी पत्रकार साथी

अपने जान जोखिम में डाल कर अपना फर्ज अदा कर रहे है। स्वास्थ्य और पुलिस प्रशासन के साथ पत्रकार जगत भी इस संघर्ष में महती भूमिका निभा रहा है। कोरोना संघर्ष से जुड़ी हर छोटी बड़ी खबर, शासन प्रशासन के आदेश निर्देश सहित तमाम गतिविधियो को तत्परता से आम जनता तक पहुचा रहे है। इस दौरान पत्रकारो को लगातार घर से बाहर रहना पड़ता है, कई लोगो से उनका उठना बैठना मिलना भी होता है। इसलिए जरूरी है कि पत्रकार भी सुरक्षित रहे। यह सोचते पालिका परिवार द्वारा सभी पत्रकारा साथियो को सुरक्षा कीट दिया जा रहा है। इस अवसर पर सभापति आसिफमेमन, नीतू देवदास, पार्षद ज्योति साहनी, एल्डरमेन सविता गिरी गोस्वामी व प्रहलाद ठाकुर, छगन यादव सहित नगर के सभी पत्रकारगण मौजुद थे।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

डौंडी। डोंडी थाना के सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित शराब बनाने वालों को पुलिस ने अभियान चला कर दबोच रहे हैं । जिला पुलिस कप्तान जितेंद्र सिंह मीणा के निर्देशन में अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी अनिल ठाकुर कर रहे है। थाना प्रभारी ने बताया कि बीते दिनों में लगतार पुलिस ने शराब माफियाओं के विरूद्ध कार्रवाई की है।। ।इस अभियान में डोंडी थाना से प्रेम राजपूत,अरविंद साहू, सुमन सिंह,पुकेश साहू,दमन ठाकुर सहित अन्य शामिल थे। थाने से मिली जानकारी के अनुसार की गई कार्यवाही अपराध क्रमांक 69 / 20 धारा 34(2) आबकारी एक्ट नाम आरोपी - चेतन कुमार रामटेके पिता जैन कुमार उम्र 29 साल साकिन धोबनी (अ) थाना डोंडी जिला बालोद के कब्जे से 07 लीटर देशी कच्ची महुवा शराब कीमती 1400 रुपये को जप्त किया गया है।

लॉकडाउन में मशरूम उत्पादन कर लाभ कमा रही स्वसहायता समूह की महिलाएं

डौंडी । लॉकडाउन में एक ओर अधिकांश लोगों का रोजी रोजगार बंद है वही ब्लॉक के 4 ग्राम पंचायतों के स्व सहायता समूह की महिलाएं इन दिनों मशरूम उत्पादन करके अतिरिक्त लाभ अर्जित कर रही है ग्राम पंचायत बम्हनी की लक्ष्मी महिला स्व सहायता समूह घोटिया की प्रगति महिला स्व सहायता समूह मंगलतराई की जागृति स्व सहायता समूह और कुमुरकट्टा की श्री गणेश महिला स्व सहायता समूह द्वारा अपने-अपने गांव में मशरूम उत्पादन करके उसकी बिक्री गांव में ही करके लाभ प्राप्त कर रही हैं

जानकारी में महिलाओं ने बताया की पहले छुटपुट रूप में कर रहे मशरूम का काम कर रहे थे लेकिन 24 मार्च के बाद लाकडाउन लगने के बाद वे लोग पूर्ण रूप से इस कार्य में लग गया है कुमुरकट्टा की समूह ने अब तक 25 हजार रुपये घोटिया की समूह ने 12 हजार रुपये बम्हनी की समूह ने साढ़े 7 हजार और मंगल तराई की समूह द्वारा 6 हजार का मशरूम उत्पाद करके बेचा जा चुका है इन समूहों को क्षेत्रीय विधायक तथा प्रदेश की महिला बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया द्वारा डीएमएफफंड से राशि उपलब्ध कराकर उद्गम सेवा समिति रायपुर के द्वारा जनवरी महीने में इनके समूह को उनके गांव में ही प्रशिक्षण देकर शेड़ निर्माण करके उत्पादन करने के तरीके रोजगार से जोड़ने हेतु 3 माह की ट्रेनिंग दिया गया है।

बिना मास्क निकले तो 100 रूपए जुर्माना, डबल सवारी पर 200 रूपए जुर्माना

गरियाबंद। रविवार से यदि कोई भी व्यक्ति बिना मास्क लगाए सड़को पर दिखा तो उस पर 100 रूपए जुर्माना लगेगा वही कोई व्यक्ति दुपहिया वाहन में डबल सवारी चलाते मिला तो उस पर दो रूपए जुर्माना लगेगा। शनिवार को जिला प्रशासन ने आदेश जारी करते हुए उक्त कार्यवाही के निर्देश दिए है। जारी निर्देश में कहा गया है कि यदि व्यक्ति सार्वजनिक जगहो में थूकते भी पाया गया तो उसके उपर 100 रूपए जुर्माना कार्यवाही होगी। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक विचरण अथवा सोशल डिस्टेसिंग के सिद्धांत का उल्लंघन पाये जाने पर 200 रूपये, छुट प्राप्त दुकानों व संस्थानों के द्वारा मास्क का उपयोग नहीं करने पर एवं उनके द्वारा अनावश्यक विचरण अथवा सोशल डिस्टेंसिंग डिस्टेंसिंग के सिद्धांत का उल्लंघन पाये जाने पर प्रथम बार में 500 रूपये तथा दूसरी बार मास्क का उपयोग नहीं करने पर 1000 रूपये जुर्माना कार्यवाही की जाएगी।

बिंद्रानवागढ़ धोबी समाज ने 5100 रूपए भेजे प्रधानमंत्री राहत कोष

गरियाबंद। कोरोनावायरस से लड़ने एवं देश प्रदेश को इस संक्रमण से बचाएं रखने के लिए धोबी समाज बिंद्रानवागढ़ परिक्षेत्र ने 5100 रुपए का डिमांड ड्राफ्ट गरियाबंद तहसीलदार

राकेश साहू को प्रदान किए। इस दौरान समाज के संरक्षक केशर कुमार निर्मलकर, अध्यक्ष मुरहा राम निर्मलकर, सचिव माधव निर्मलकर, प्रकाश निर्मलकर परदेसी राम निर्मलकर उपस्थित थे।

शनिवार को वनांचल मे हुई बारिश, तो रविवार को शहर में हुई बूंदा बांदी

कवर्धा । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की मार से आमजन जीवन बेहाल। वही दूसरी ओर किसानो पर दोहरी मार पड रही है। बेमौसम बारिश के कारण खेतो पर कटी पडी व तैयार फसल बर्बाद हो रही है।

पंडरिया ब्लॉक के वनाचंल में शनिवार की दोपहर को अचानक आसमान मे छाए दोपहर होते-होते बदले मौसम के मिजाज ने किसानो की मेहनत पर पानी फेर दिया। शनिवार को अचानक हवाओं की रूख बदलने के कारण गरज चमक के साथ बारिश व जमकर ओलावृश्टि हुई। इससे तिलहनी फसलो के साथ खेतो मे तैयार खडी गेहू, चना सहित सब्जी को भी नुकसान टमाटर, ककडी, भिंडी, मुनगा, लालभाजी, पालक, ग्वार फल्ली, बैगन आदि को नुकसान हुआ है। इस माह के भीतर ही मौसम तीन से चार बार बदला जिसमे किसानो की परेशानी बढी। कोरोना वायरस को लेकर शहर से लेकर ग्रामीण इलाको मे कही भी आवाजाही पर रोक है।

नदी में डूबने से हुई बच्चे की मौत, जांच अब तक जारी

पांडातराई। पांडातराई थाना के क्षेत्र ग्राम मडमडा मे शनिवार सुबह 11 बजे हाफनदी मे डूबने से सागर पिता अंजोर दास (05) की मौत हो गई। बच्चा सुबह अपने माता-पिता के साथ नहाने के लिए नदी गया था। माता-पिता और बच्चे कुछ दूरी पर अलग नहा रहे थे। आशंका है कि माता-पिता नहाते समय बच्चे पर ध्यान नही रख पाए। नदी में दूसरे लोग भी नहा रहे थे, उन्होने ही बच्चे के के डूबने की जानकारी दी। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए पंडरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजन के सुपुर्द कर दी गई।

नवप्रदेश को पूर्व माटी कला बोर्ड अध्यक्ष ने दिया धन्यवाद

कवर्धा - कुम्भकारओं के द्वारा निर्मित किए गए गुड्डा गुड़िया व मटकी की बिक्री लाकडाउन के चलते मानो थम सी गई थी वही उनके द्वारा बनाए गए गुड्डा, गुड़िया के लिए खरीददार नहीं पहुंच पा रहे थे जिस पर दैनिक नवप्रदेश में अपने पाठकों सहित आम लोगों से अपील करते हुए समाचार पत्र के माध्यम से जानकारी मुहैया कराई की स्थानी गुरु नानक गेट के पास सुबह 8:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक कुम्भकारओं के द्वारा गुड्डे गुड़िया सहित मटकी की दुकान लगाई जा रही है खबर के प्रकाशन के बाद से इसका पूरा लाभ कुम्भकारओ को मिलते देखा गया है रविवार के दिन जहां जमकर गुड्डा गुड़िया लोग कुम्भकारओं से खरीद कर ले गए वहीं दान करने के लिए मटकीयों की भी बिक्री जमकर हुई इस संबंध में जब पूर्व माटी कला बोर्ड अध्यक्ष गजानंद कुम्भकार को जानकारी मिली तो उन्होंने नवप्रदेश को

गुड्डा, गुड़िया व देसी मटका बनकर तैयार
कुम्हार कर रहे ग्राहकों का इंतजार

धन्यवाद दीया इसके साथ ही कुम्भकार समाज के अध्यक्ष व सचिव अजय कुम्भकार ने भी दैनिक नवप्रदेश को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपकी पहल सार्थक नजर आई पिछले दिनों के मुताबिक रविवार के दिन अत्यधिक गुड्डा गुड़िया सहित मटकीयों की बिक्री जमकर हुई उन्होंने कहा कि लोगों को नवप्रदेश समाचार पत्र के माध्यम से यह जानकारी उपलब्ध हो सकी स्थानी गुरु नानक गेट के पास कुम्भकार भाइयों द्वारा मटकीयों की दुकान लगाई जा रही है और लोग खरीदी करने के लिए भी निर्धारित समय तक पहुंच रहे हैं जिससे वहां दुकान लगाने वालों को लाभ मिल रहा है अजय कुम्भकार ने नवप्रदेश को इस पहल के लिए पुनः बधाई देते हुए उस स्थान पर लगाए गए दुकानों की कुछ तस्वीरें भी भेजी जिसमें लोग गुड्डा गुड्डी की खरीदारी कर रहे थे कुम्भकार समाज के अध्यक्ष गोरेलाल कुम्भकार ने भी नवप्रदेश की पूरी टीम को बधाई देकर कहा कि एक सार्थक पहल की गई जिससे आम लोगों को यह जानकारी मिल सके की स्थानी गुरु नानक गेट के पास दुकाने संचालित की जा रही है और कुम्भकार भाइयों को अब इसका लाभ भी मिलना प्रारंभ हो चुका है दैनिक नवप्रदेश को जब समाज के सचिव अजय कुम्भकार के माध्यम से जानकारी मिली कि लाक डाउन के चलते कुम्भकारओं की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है तो आखिरकार इस मुद्दे को बड़ी प्रमुखता से उठाया गया जिसे लेकर समाज के लोगों ने बधाई ज्ञापित किया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी परियोजना खण्ड-बेमेतरा (छ.ग.)

निआसू.क्र. 14/तशा/का.अ./लो.स्वा.यां. परि. खंड/2020, बेमेतरा, दिनांक 22.04.2020

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'ए' में प्रतिशत दर पर **विकासखंड बेमेतरा** के 12 ग्रामों के उच्चस्तरीय जलागारों के चारों ओर चारदिवारी के निर्माण का कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

समूह क्रमांक	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत(रु.लाख में)
01	हथमुड़ी	5.76
02	गांगपुर	5.76
03	भोईनाभाठा	4.12
04	कंतेली	5.76
05	सांवतपुर	5.76
06	सनकपाट	5.76
07	करंजिया	5.76
08	बिटकुली	4.12
09	तुमा	5.76
10	उसलापुर	5.76
11	सोनपुरी	5.76
12	मोहरेंगा	5.76

टीप :- निविदा की अन्य शर्तें कार्यालयीन समय पर देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि 14.05.2020 सायं 5:30 बजे तक है।

जी- 80241/3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी परियोजना
खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)

तेज अंधड़-तूफान के साथ आधे घंटे तक पड़ी तेज बौछारें

राज्य के ऊपर बना चक्रवाती सिस्टम, आज भी बदल सकता है मौसम का मिजाज

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राजधानी में आज दोपहर अचानक हुई तेज बारिश से भीषण गर्मी से बेहाल लोगों ने थोड़ी देर के लिए राहत की सांस ली। इस दौरान चली तेज हवाओं से शहर के पुराने होर्डिंग्स, पेड़-पौधे भी गिर गए। कल भी इसी तरह अचानक मौसम बिगड़ने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के नियमित रिपोर्ट की माने तो छत्तीसगढ़ के ऊपर एक चक्रीय चक्रवात बना हुआ है। यह चक्रवाती सिस्टम 0.9 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है। इसके अलावा चक्रीय चक्रवात के मध्य से एक द्रोणिका बनी हुई है जो कि मेघायल तक जा रही है। इसके अलावा एक और द्रोणिका तमिलनाडू से होकर पूर्वी मध्यप्रदेश तक बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार इस चक्रवाती सिस्टम के चलते ही आज राजधानी रायपुर में अचानक मौसम का मिजाज बदला और तेज हवाओं के साथ जोरदार बौछारें पड़ी हैं। प्रदेश के कुछ इलाकों में कल सोमवार को भी इसी तरह के हालात बन सकते हैं।

इधर आज दोपहर 2 बजे के आसपास अचानक शहर में मौसम का मिजाज बदलने लगा। तेज हवाओं और भयंकर गर्जना के बाद हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई जो देखते ही देखते तेज बारिश में तब्दील हो गई। करीब आधे घंटे तक हुई तेज बारिश से मौसम सुहावना हो गया और भीषण गर्मी से बेहाल लोगों ने राहत की सांस ली। शहर में चली तूफानी हवाओं के चलते पुराने पेड़-पौधों के साथ ही शहर के चौक-चौराहों में लगी होर्डिंग्स, बैनर आदि भी उखड़ गया। कल सोमवार को भी इसी तरह अचानक मौसम का मिजाज बदल सकता है। इस दौरान तेज हवाओं के साथ जोरदार बौछारें पड़ने, तेज गर्जना के साथ वज्रपात होने या ओले पड़ने की संभावना जताई गई है।

राज्य में कोरोना का संक्रमण नियंत्रित : निहारिका बारिक

■ भारत सरकार के केबिनेट सचिव ने मुख्य सचिवों से जन स्वास्थ्य पर वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की समीक्षा

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। भारत सरकार के केबिनेट सचिव राजीव गौबा ने आज वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोरोना वायरस से बचाव और जन स्वास्थ्य को लेकर देश के सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से विस्तार से चर्चा की। केबिनेट सचिव ने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम, नियंत्रण और इससे बचाव के हर संभव उपाय करें। उन्होंने कहा कि हमें लोगों के स्वास्थ्य लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना है। कोविड-19 के तहत लॉकडाउन के दौरान विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय टीकाकरण तथा स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों से वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ली गई।

छत्तीसगढ़ रायपुर से वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग में डीजीपी डी.एम. अवस्थी, श्रीमती निहारिका बारिक और खाद्य एवं परिवहन सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह शामिल हुए। प्रदेश की स्वास्थ्य सचिव श्रीमती बारिक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में कोरोना के 37 पाजीटिव प्रकरण थे, जिसमें से 5 केश एक्टिव है और उनका इलाज चल रहा है शेष मरीज स्वस्थ हो गए है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में स्थिति नियंत्रित एवं संतोषप्रद है।

केबिनेट सचिव ने कहा कि सभी राज्यों में ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य सचिवों से रेपिड टेस्टिंग किट की उपलब्धता के संबंध में जानकारी भी ली। केबिनेट सचिव ने जिला अस्पतालों में आईसोलेशन, आईसीयू बेड और कोविड-19 अस्पतालों की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। इसी तरह से राज्यों के शासकीय और निजी अस्पतालों में कोरोना टेस्टिंग सहित अस्पतालों में उपलब्ध वेंटीलेटर की स्थिति की भी समीक्षा की गई। केबिनेट सचिव ने सभी राज्यों में कोरोना के टेस्टिंग और इलाज के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाकर समुचित व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए है इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए केन्द्र से समुचित समन्वय बनाये रखे जाने पर विशेष जोर दिया।

लॉकडाउन में जानवर भूख से हो रहे बेहाल

नव प्रदेश संवाददाता

बचेली। लौहनगरी बचेली में घूम रहे आवारा बेजुबान जानवर अपना दर्द कैसे और किस तरह बया करे यह सवाल हर किसी के जहन में उठता है इन दिनों लाक डाउन के चक्कर में बेजुबान जानवर भूख से बेहाल हो रहे थे घरों में कैद लोगों का इनकी ओर ध्यान नहीं जाता है इन बेजुबान जानवरों को देख स्थानीय गौ सेवा समिति के लोगो का दिल पसीजा।

लौहनगरी में गौ सेवा समिति समाज सेवी बेजुबान जनवरों की दर्द को समझते हुए उनके लिए समुचित भोजन दाना पानी व चारा की व्यवस्था लोगो के आर्थिक सहायता से से कर रहे है । जनता कर्फ्यू और लाक डाउन का असर जिले भर में है इस दौरान बेजुबान जानवर भोजन के लिए परेशान दिखाई दे रहे थे लकडाउन के कारण बाजारों में होटल, खाने पीने की दुकानें बंद हैं सब्जियों की दुकानें भी कुछ वक्त के लिये खुलती और बंद हो जातीं हैं । ऐसे में उन मवेशियों और आवारा जानवरों के खाने के लाले पड़ गये थे जो बाजार या सड़कों पर जूठन या गिरी पड़ी सब्जियों और दूसरों के द्वारा दिये भोजन पर निर्भर रहते थे भूख से लावारिस कुत्ते भी परेशान थे कूड़े दानों में खाना तलाशने पर भी जब उन्हें खाना नहीं मिल रहा था इस स्थिति को देखते हुए गौ सेवा समिति के सदस्यों ने प्रशासन से अनुमति लेकर चौक चौराहे में मवेशियों को भोजन खिला रहे है। जिसमें नगर के कुछ गणमान्य नागरिक व जनप्रतिनिधि भी आर्थिक सहयोग कर रहे हैं वही पशुधन विभाग को यह जानकारी देने पर सहयोग के नाम पर महज खानापूर्ति कर अपना पल्ला झाड़ लिया गया कुछ दिनों तक चारा एवं बिस्किट मुहैय्या करने के बाद अब अधिकारी इस मामले कन्नी काट रहे है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महज 15 बोरी भूसी वह तीन पुणे बिस्किट उपलब्ध करवाया गया था। जिसमे गुणवत्ता हीन भुट्टे जोन्द्रा की भूसी 7 बोरी दी गई थी जिसे खाने से जानवर भी मुह फेर रहे थे एवं 8 बोरी धान की भूसी दी गई जो कि ऊंट के मुंह में जीरा वाली कविता को चरितार्थ करता है वही इन जानवरों का बीमार होने पर बचेली पशु चिकित्सालय में डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है महज एक कंपाउंडर एवं दो पियून के भरोसे मैं चल रहा लोह नगरी बचेली में पशु चिकित्सालय में इन आवारा पशुओं का इलाज करने का बीड़ा भी गौ सेवा समिति के सदस्यों ने उठा रखा है जिसमें बचेली चिकित्सालय में कार्यरत कंपाउंडर शंकर, लक्ष्मीनाथ, मनीषा, एवं नीलिमा कांगे का सहयोग लेकर किया जाता है।

छोटा हाथी से गांजे की तस्करी, तीन गिरफ्तार

महासमुंद (नव प्रदेश)। छोटा हाथी वाहन में ओड़िशा से गांजा तस्करी करते भिलाई के तीन युवक पुलिस के हत्थे चढ़ गए। जानकारी के मुताबिक लॉकडाउन के दौरान पुलिस वाहनों पर नजर रख रही है। इस बीच शनिवार सुबह ओड़िशा की ओर से आ रहे छोटा हाथी वाहन क्रमांक सीजी 07 एयू 1219 को रोका। वाहन में सवार युवकों ने बताया कि भिलाई से अंगूर और सब्जी लेकर ओड़िशा में पहुंचे और सामान खाली करने के बाद भिलाई लौट रहे हैं। छोटा हाथी के पीछे सभी कैरेट को खाली करने पर छिपाकर रखे 7 पैकेट कुल 12 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने वाहन में सवार भिलाई पावर हाउस निवासी गोविंद पिता पुरंदर गाड़ा (50), सोनू पिता तुलसी ठाकुर (30) और देवेश पिता विजय राजपूत (23) को नारकोटिक्स एक्ट 20 ख के तहत गिरफ्तार कर रिमांड पर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार आरोपी देवेश राजपूत पहले भी गांजा तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने युवकों के कब्जे से 12 किलो गांजा कुल कीमत 60 हजार रुपए, 62 नग खाली कैरेट और तीन नग मोबाइल के साथ ही 61 हजार 600 रुपए नकदी बरामद की है।

ग्रीष्मकाल में पानी की रहेगी पर्याप्त उपलब्धता

राजनांदगांव। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य के मार्गदर्शन में जिले में ग्रीष्मकाल में पानी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए बैराजों से तालाब, एनीकट और नदियों में पानी छोड़ा जा रहा है। इससे गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या भी दूर होगी एवं जलभराव से किसानों को खेतों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता होगी। लॉकडाउन की स्थिति में पेयजल एवं कृषि कार्यों के लिए पानी की उपलब्धता किसानों एवं जनसामान्य के लिए वरदान साबित होगा।

जिले में मध्यम योजना के अंतर्गत मोंगरा बैराज, सूखा नाला बैराज और घुमरिया नाला बैराज से निस्तारी के लिए पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं लघु योजना के अंतर्गत खातूटोला नाला बैराज से एनीकट, नदियों तथा तालाब में जल भराव के लिए पानी छोड़ा जा रहा है। इन बैराजों से 32 तालाब,20 एनीकट और नदी में जल का भराव किया जा रहा है। इसके माध्यम से कुल 77 गांव लाभान्वित होंगे।

अपने भाई को दी मौत की खबर और कर ली खुदकुशी, तीन लोगों को बताया जिम्मेदार

सुसाईड करने से पहले युवक ने अपने भाई के पास वाट्सएप पर भेजा वाइस मैसेज, फिर झूल गया फांसी पर

नव प्रदेश संवाददाता

धमतरी। अर्जूनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शंकरदाह में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वही सुसाईड करने से पहले युवक ने अपने भाई के पास व्हाट्सएप पर वाईस मैसेज भेज और फिर फांसी के फंदे से झूल गया। घटना की जानकारी लगने पर अर्जुनी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया गया। मृतक अनूप साहू के बडे भाई प्रेमलाल साहू ने बताया की शनिवार को मृतक अपने इलेक्ट्रानिक दुकान में काम करने के लिए गया हुआ था। इसी बीच दुकान के बाजू मे रहने वाले युवक तथा उसकी मां ने अनूप को घर में बुलाया और उनके साथ जमकर मारपीट किया। जिससे अनूप साहू लहूलुहान हो गया। जिसके बाद मृतक और उसका बड़ा भाई शिकायत करने अर्जुनी थाना पहुंचा। वही रात में अचानक अनूप साहू ने फांसी लगाकर जान दे दी। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर जांच मे जुट गई है।

जंगली सूअर के हमले से बुजुर्ग घायल

नवप्रदेश - संवाददाता

बीजापुर। अस्पताल ले जाने के लिए 108 में फोन किए तब 108 गांव पहुंची। घायल मंगडू राम गांव एरामंगी को जंगली सूअर अटैक किया दाऐ पैर एंव बाएंे हाथ पर चोटें आया जिससे मंगडू राम गंभीर रूप से घायल। मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय बीजापुर से लगभग 32 कि.मी. दूरी भैरमगढ़ विख का गांव एरामांगी में बीते कल शनिवार को दोपहर लगभग तीन बजे एक बुजुर्ग मंगडु राम को उसके घर के आस - पास एक जंगली सूअर ने हमला कर दिया बुजुर्ग को दाऐ पैर एंव बाएंे हाथ पर चोटें आया जिससे ओ गंभीर रूप से घायल हो गए, उनको अस्पताल ले जाने के लिए 108 में फोन किए तब 108 गांव पहुंची और इएमटी मोहन आलम और पायलट किशोर मंडावी ने बुजुर्ग की हालत को देखते हुए तुरंत उनको प्राथमिक उपचार दिए और उनको जिला अस्पताल बीजापुर में आगे की इलाज के लिए भर्ती कराए जिसका उपचार जारी है।

टिक-टॉक वीडियो बनाने गई बीएससी की छात्रा की पानी में डूबने से हुई मौत

बीजापुर (नव प्रदेश)। टिक-टॉक वीडियो बनाने के दौरान खदान में डूब रही सहेली को बचाने के चक्कर में दूसरे सहेली की जान चली गई। 20 वर्षीय बीएससी की छात्रा की पानी में डूबने से मौत हो गई है। जबकि उसकी एक मित्र घायल है जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना बीजापुर जिले से महज 5 किमी दूर जैतालूर का है। जानकारी के मुताबिक मृतका साधना कुमारी और चांदनी भिंडे समेत तीन युवतियां जैतालुर स्थित की स्टोन कंपनी की खुदाई से बने तालाब में जाकर टिक-टॉक बना रहे थे। इसी दौरान चांदनी भिंडे पानी में उतरकर टिक-टॉक वीडियो बनवा रही थी, तभी अचानक डूबने लगी। उसे बचाने के लिए साधना पानी में उतर गई। उसने चांदनी को तो बचा लिया, लेकिन खुद पानी में डूब गई। जिससे उसकी मौत हो गई है जबकि चांदनी को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि ब्लास्ट के जरिए अवैध खनन की वजह से 50 फ़ीट गहरा तालाबनुमा गड्ढा बन गया है। ग्रामीणों ने कई बार खनन का विरोध भी किया था। परन्तु अब यही गड्ढा आज जान लेवा बन गया है। बीजापुर थाना कोतवाली है पुरा मामला थाना प्रभारी चन्द्रशेखर बारीक ने की पुष्टि।

ओलावृष्टि से धान की खड़ी फसलों को नुकसान

महासमुंद (नव प्रदेश)। ओलावृष्टि के कारण किसानों के खेतों में खड़ी फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई। सिरपुर क्षेत्र के ग्राम रायकेरा में ओलावृष्टि ने कहर बरपाते हुए दो दर्जन किसानों के फसलों को नुकसान पहुंचाया है। जानकारी मिलते ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मण पटेल ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को इसकी जानकारी दी और प्रकरण तैयार कर मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। ग्राम रायखेड़ा में ओलावृष्टि से फसलों को अत्यधिक नुकसान पहुंचा है। शुक्रवार की रात हुई घटना की जानकारी पर शनिवार को जिला पंचायत उपाध्यक्ष पटेल ग्राम रायकेरा पहुंचे और नुकसान हुए फसलों का जायजा लिया। बताया कि ओलावृष्टि से किसान बृजमोहन पटेल, शिव कुमार पटेल, अब्दुल वाहीद, वीरसिंह ध्रुव, बहुर ध्रुव, पंचराम ध्रुव, रामसिंग ध्रुव, टीकाराम ध्रुव, घनश्याम यादव, नोहरसिंग यादव, तामसिंग यादव, हीरालाल यादव, रामचरण यादव, प्रेमलाल यादव, उमेश साहू, शकील खान, सरजू ध्रुव, मो अरमान आदि किसानों के धान के रबी धान फसलों को नुकसान पहुंचा है। निरीक्षण के दौरान जिपं उपाध्यक्ष के साथ सिरपुर मंडी अध्यक्ष गजाधर धीवर, शंकर पटेल, दानेश्वर साहू, सरपंच ठाकुर, भुवन दास आदि मौजूद थे।

राजधानी के सबसे करीब दो हाथियों ने की फिर घुसपैठ, पारा गांव और निसदा में फसल को पहुंचाई क्षति

नवप्रदेश संवादाता

■ एक नि:शक्त महिला को भी किया गंभीर रूप से घायल

■ गांव और खेतों में घूमते दंतैलों को देखने लगी भीड़

रायपुर। राजधानी की सीमा के सबसे करीब बसे दो गांव में दो हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। खेतों और गांव की गलियों में स्वच्छंद घूमते हाथियों को देखने के लिए जहां लोगों की भीड़ लग गई थी। वहीं खेतों, पारा गांव से होते हुए ग्राम निसदा पहुंचकर फसलों व घरों के करीब पहुंचे दोनों दंतैलों को देखकर ग्रामीणों में दहशत भी देखी गई। चंद शरारती तत्वों ने हाथियों को शोर मचाकर और गाड़ियों का तेज हॉर्न बजाकर डराने की कोशिश भी किये लेकिन सारे प्रयास नाकाम हुए। हाथियों ने तकरीबन 3 घंटे तक पारा और निसदा गांव में फसलों को नुक्सान पहुंचाया और इस दौरान एक महिला को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। बताया जाता है कि महिला निःशक्त होनी की वजह से वह मौके पर भाग नहीं पाई और हाथियों ने उसे घायल कर दिया। लोगों ने शोर मचाकर और हार्न बजाकर हाथियों का ध्यान भटकाया तब महिला की जान बचाई जा सकी। बताया जाता है कि पारा गांव में हाथी फसल को चौपट करते हुए निसदा में नुक्सान पहुंचाने पहुंचे थे। गिांव वालों ने काफी शोरगुल कर उन्हें भड़काने का प्रयास किया। तकरीबन 3 घंटे तक हाथियों और ग्रामीणों के बीच आमना-सामना हुआ फिर वन विभाग की टीम ने सफलता पूर्वक इन्हें आरंग से महासमुंद के जंगल की तरफ खदेड़ दिया। बताते हैं कि हाथी इतने आक्रोशित थे कि हाइवे होते हुए बस्ती में जा घुसे। जहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया। ग्रामीण चीखते हुए इधर से उधर भागने लगे। इसी दौरान एक दिव्यांग युवती को हल्की चोटें आई है।

महानदी तट के गांव राटाकाट में हैं दोनों दंतैल

सहायक वन क्षेत्र अधिकारी लोकनाथ ध्रुव ने बताया कि दो हाथी ग्राम गुदगुदा में डेरा जमाए हुए थे. आज सुबह दोनों हाथी महानदी के किनारे से होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 53 से लगे ग्राम पारागांव में पहुँच गए. राष्ट्रीय राजमार्ग को पार करके दोनों ग्राम निसदा की ओर विचरण करने चले गए. वापस पारागांव आने पर ग्रामीणों के शोर मचाने और फटाखे फोड़ने के कारण हाथी उत्तेजित हो उठे और बस्ती के अंदर घुस गए। बस्ती में घुसने से वहां अफरा तफरी मच गई। जिससे एक दिव्यांग युवती को मामूली चोट आई है। समाचार लिखे जाने तक दोनों हाथी ग्राम राटाकाट में महानदी के किनारे हैं। वन विभाग और आरंग पुलिस की टीम लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है. इससे कुछ दिन पहले भी यही हाथी आरंग में आए थे, लेकिन वो वापस चले भी गए थे. अब फिर से बस्ती की ओर पहुंच गए हैं।